लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

13 नवम्बर 2026 शुक्रवार
वर्ष : 20 अंक: 129
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

हिन्दी दैनिक



www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com

देव दीपावली पर 11 लाख दीपों से जगमगाएंगे काशी के घाट : योगी

- 20 से 23 नवंबर तक नमो घाट पर होगा गंगा महोत्सव, 24 नवंबर को मनेगी देव दीपावली
- गंगा में पहली बार टू–वे लेन सिस्टम से चलेंगी नावें



लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल वाराणसी में गंगा महोत्सव और देव दीपावली की तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने कहा कि देव दीपावली काशी की पहचान और सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली पर्व है। देश–दुनिया से बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पिछले वर्षों के अनुभवों और सामने आई समस्याओं को ध्यान में रखकर इस बार बेहतर इंतजाम किए जाएं, ताकि किसी को परेशानी न हो। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने और तय समय–सीमा में व्यवस्थाएं चाक–चौबंद करने के निर्देश दिए।समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष गंगा महोत्सव 20 से 23 नवंबर तक नमो घाट पर आयोजित होगा। चारों दिन सांस्कृतिक संध्या होगी। मुख्यमंत्री ने इसमें स्थानीय कलाकारों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि इस बार सभी पक्के घाटों, गंगा के सामने वाले रेतीले तट और शहर के 100 से अधिक कुंडों पर 11 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसमें महिला स्वावलंबन के तहत स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार दीपक भी शामिल किए गए हैं। दीप प्रज्वलन की व्यवस्था के लिए पूरे घाट क्षेत्र और रेतीले तट को सेक्टरों में बांटकर नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि देव दीपावली का उल्लास केवल घाटों तक सीमित न रहे, बल्कि समूची काशी में इसका प्रभाव दिखाई दे। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ–साथ सारनाथ, मार्कण्डेय महादेव मंदिर, शूलटंकेश्वर मंदिर और प्रमुख कुंडों पर भी दीपोत्सव के विशेष प्रबंध किए जाएं। 24 नवंबर को ही गुरु नानक जयंती होने के कारण गुरुद्वारों में लंगर, कीर्तन और संगत की व्यवस्थाएं भी समय से पूरी रखने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने नाविकों से संवाद कर उनका सुरक्षा और सुव्यवस्था की दृष्टि से प्रशिक्षण कराने की जरूरत पर बल दिया।24 नवंबर की शाम सभी घाटों पर दीप प्रज्वलित होंगे और दशाश्वमेध घाट पर विश्वप्रसिद्ध महाआरती का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद चेत सिंह घाट पर भव्य प्रोजेक्शन एवं लेजर शो, दशाश्वमेध व अस्सी घाट के सामने ड्रोन शो तथा काशी विश्वनाथ धाम घाट के सामने ग्रीन आतिशबाजी का प्रदर्शन होगा। कार्तिक पूर्णिमा स्नान और देव दीपावली के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है। इसके लिए पूरे घाट क्षेत्र को 10 जोन, 21 सेक्टर और 36 सब–सेक्टर में विभाजित कर जोनल व सेक्टर प्रभारियों की तैनाती की गई है। घाटों पर 27 वॉच टावर, त्वरित प्रतिक्रिया दल क्यूआरटी 21 प्रमुख घाटों पर एंटी–रोमियो स्क्वॉड, निजी गोताखोर और ड्रोन कैमरे तैनात रहेंगे। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सहायता के लिए 11 खोया–पाया केंद्र बनाए गए हैं तथा ई–स्कूटर पर पर्यटक पुलिस लगातार गश्त करेगी। पिछले वर्ष की भीड़भाड़ से सीख लेते हुए इस बार नमो घाट से अस्सी घाट के बीच फ्लोटिंग वॉटर जेट्टी लगाकर टू–वे लेन बनाई गई है। नावें नमो घाट से अस्सी घाट की ओर जाएंगी और सामने रेतीले ओर से अस्सी घाट से नमो घाट की ओर लौटेंगी। नदी में डीजल चालित और गैर–जनपदीय बाहरी नावों के संचालन पर रोक रहेगी। राहत व बचाव के लिए एनडीआरएफ, फ्लड पीएसी, जल पुलिस और वॉटर एम्बुलेंस निरंतर गश्त करेंगी तथा चेत सिंह घाट पर फ्लोटिंग रेस्क्यू स्टेशन सक्रिय रहेगा।

जम्मू–कश्मीर में सीमा के पास मिला पाकिस्तानी ड्रोन, एजेंसियां अलर्ट

एजेंसी,जम्मू । जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक खेत से संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने तलाशी अभियान के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 800 मीटर दूर लालफामकिमा सीमा चौकी के पास से यह ड्रोन बरामद किया। इसकी पहचान डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि बरामदगी के समय ड्रोन के साथ कोई पेलोड (सामान) नहीं मिला। ड्रोन को विस्तृत जांच के लिए फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि जांच अधिकारी इस उपकरण



का तकनीकी विश्लेषण करेंगे ताकि उसके मूल स्थान, स्वामित्व और संभावित उड़ान इतिहास के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। अधिकारियों ने बताया कि दिन के शुरुआती घंटों में सीमा पार से संदिग्ध ड्रोन की गतिविधि देखने के बाद बीएसएफ के जवानों ने तलाशी अभियान शुरू किया और ड्रोन रोधी प्रणाली सक्रिय कर दी।

34 साल पुराने अपहरण मामले में पूर्व एसएसपी गुरमीत सिंह रंधावा को 7 साल की कैद

एजेंसी,मोहाली। पंजाब में आतंकवाद के दौर के दौरान पुलिस हिरासत से लोगों के लापता होने के मामलों में करीब 34 साल बाद एक अहम न्यायिक फैसला आया है। मोहाली की विशेष सीबीआई अदालत ने लुधियाना के ट्रांसपोर्टर अमरीक सिंह सकरी के अपहरण और लापता करने के मामले में दोषी ठहराए गए पंजाब पुलिस के पूर्व एसएसपी गुरमीत सिंह रंधावा को सात साल कैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 20 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर उसे छह महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामला 25 नवंबर 1992 का है। सीबीआई की जांच के अनुसार, तरनतारन पुलिस की एक टीम ने लुधियाना के होटल अमलतास में आयोजित एक शादी समारोह से ट्रांसपोर्टर अमरीक सिंह सकरी



को उठाया था। उस समय गुरमीत सिंह रंधावा डीएसपी के पद पर तैनात थे। इसके बाद अमरीक सिंह का कोई सुराग नहीं मिला। सीबीआई की जांच के बाद रंधावा सहित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। मोहाली की विशेष सीबीआई अदालत ने 11 नवंबर को रंधावा को भारतीय दंड संहिता की धारा 365 और 120–बी के तहत दोषी करार दिया था। अदालत ने सह आरोपी पूर्व पुलिसकर्मी परमिंदरजीत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। इस मामले की लंबी सुनवाई के दौरान तीन अन्य आरोपी पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई थी। करीब साढ़े तीन दशक तक चली कानूनी लड़ाई के बाद अब अदालत ने दोषी पूर्व एसएसपी को सजा सुनाई है।

बिस चुनाव से पहले ओवैसी और चंद्रशेखर का गठबंधन

संवाददाता,लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में विधानसभा चुनाव को लेकर नए गठबंधन की घोषणा हुई है। असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने हाथ मिला लिया है। दोनों दलों ने अपने गठबंधन को 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' नाम दिया है। गठबंधन की ओर से प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया गया है। इस घोषणा के बाद यूपी में नए राजनीतिक समीकरण बनने की चर्चा तेज हो गई है। गठबंधन की घोषणा के दौरान चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि प्रदेश की सभी 403 सीटें उनके लिए महत्वपूर्ण हैं और दोनों पार्टियां एक दल की तरह मिलकर चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने यह भी बताया कि गठबंधन जल्द ही अपना चुनावी घोषणापत्र जारी करेगा। हालांकि, सीटों के बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना अभी बाकी है। चंद्रशेखर आजाद ने गठबंधन को केवल तीसरा मोर्चा कहने के बजाय 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' बताया। दोनों दलों का कहना है कि वे एक साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे। इस गठबंधन में ओवैसी की एआईएमआईएम और चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी की राजनीतिक ताकत को एक मंच पर लाने की कोशिश की गई है। 403 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान अपने आप में बड़ा राजनीतिक कदम माना जा रहा है। अब देखना होगा कि दोनों दल प्रदेश के अलग–अलग क्षेत्रों में किस तरह संगठन और उम्मीदवारों को तैयार करते हैं।

कोलकाता-मुंबई फ्लाइट को हाईजैक करने की फर्जी धमकी, आरोपी यात्री को पुलिस ने पकड़ा

एजेंसी,कोलकाता । कोलकाता से मुंबई जा रहे एयर इंडिया के एक विमान का अपहरण करने की फर्जी धमकी मिलने के मामले में एक यात्री को हिरासत में लेकर हवाई अड्डा पुलिस के हवाले कर दिया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह कार्रवाई बुधवार को एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 2772 से जुड़ी घटना के संबंध में की गई। उड़ान भरने से पहले विमान के शौचालय में हाथ से लिखा एक धमकी भरा नोट मिलने के कारण विमान कई घंटे विलंब से रवाना हुआ था। विज्ञप्ति के अनुसार, कथित आरोपी यात्री को नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पुलिस थाने के हवाले कर दिया गया। विमान के चालक दल के एक सदस्य को बुधवार पूर्वाह्न करीब 10 बजकर 37 मिनट पर यह नोट मिला था। इसमें चेतावनी दी गई थी कि विमान का पूर्वाह्न 11 बजकर 10 मिनट पर अपहरण कर लिया जाएगा। इसके



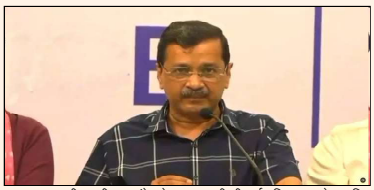
बाद सुरक्षा एजेंसियों ने अनिवार्य सुरक्षा जांच शुरू कर दी। विमान में सवार सभी 105 यात्रियों को उतार दिया गया और विमान को गहन सुरक्षा जांच के लिए एक अलग स्थान पर ले जाया गया। बाद में इस धमकी को फर्जी घोषित कर दिया गया।

एआई डेटा अब देश में ही होगा प्रोसेस

एजेंसी,नयी दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ओपनएआई ने बृहस्पतिवार को भारत में अपने एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के लिए एआई अनुरोधों का स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण शुरू करने की घोषणा की। इससे पात्र कंपनियां और डेवलपर उसके जीपीटी–6 लूना मॉडल पर आधारित चुनिंदा कार्यों का प्रसंस्करण देश के भीतर ही कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य कंपनियों की डेटा को देश के भीतर ही रखने संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद करना है। ओपनएआई कंपनी ने बयान में कहा कि इस सुविधा के तहत संबंधित अनुरोधों का प्रसंस्करण और जवाब तैयार करने के लिए मॉडल की गणना, दोनों भारत में ही होंगी। इसके अलावा, सुविधा के दायरे में आने वाले ग्राहकों की साम्रग्री भी देश में ही संग्रहीत की जाएगी।

अरविंद केजरीवाल व बेटी हर्षिता को जान से मारने की धमकी, सात करोड़ की रंगदारी मांगी

एजेंसी,मोहाली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता को जान से मारने की धमकी देकर सात करोड़ रुपये की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताने वाले व्यक्ति ने दिल्ली के तिलक नगर से आप विधायक जरनैल सिंह को फोन और व्हाट्सएप संदेश भेजकर यह धमकी दी। आरोपी ने कहा कि सात करोड़ रुपये नहीं देने पर केजरीवाल और उनकी बेटी हर्षिता की हत्या कर दी जाएगी। विधायक की शिकायत पर मोहाली साइबर क्राइम थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जरनैल सिंह ने छह नवंबर को मोहाली के एसएसपी को दी शिकायत में बताया कि उनके निजी मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन किया। इसके बाद उसी नंबर से



व्हाट्सएप पर भी धमकी भरा संदेश भेजा गया। व्हाट्सएप प्रोफाइल पर आरोपी का नाम श्एचश् दिखाई दे रहा था। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताते हुए विधायक से कहा कि वह केजरीवाल तक सात करोड़ रुपये की मांग पहुंचा दें।

रकम नहीं मिलने पर उन्हें और उनकी बेटी को जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने फोन पर धमकी देने के बाद लिखित संदेश के जरिये भी फिरौती की मांग दोहराई। विधायक ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उन्हें जनप्रतिनिधि होने के नाते केजरीवाल तक धमकी पहुंचाने के लिए माध्यम बनाया। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी और उसके सहयोगियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की।



नटबीर बाबा का 50 वर्ष पुराना ऐतिहासिक मेला, श्रद्धा, भक्ति और आस्था का महासंगम, उमड़ा जनसैलाब





रामसनेहीघाट, बाराबंकी।महंदवा गांव नहर के किनारे कोटवा सड़क के पास स्थित नटबीर बाबा के दरबार में गुरुवार को आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि पूरा इलाका बाबा के जयकारों से गूंज उठा।करीब 50 वर्ष पुराना ये ऐतिहासिक मेला इस बार भी बड़ी ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। सुबह से ही दूर–दराज से भक्तों का आना शुरू हो गया था। दोपहर होते–होते मेला परिसर में पैर रखने की जगह नहीं बची।मेले का मुख्य आकर्षण रही भव्य रामलीला। कलाकारों ने तरह–तरह की जीवंत झांकियां प्रस्तुत कीं, जिसे देखकर भक्त भाव–विभोर हो गए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने रामलीला का भरपूर आनंद लिया। भक्तों ने बाबा के मजार पर प्रसाद चढ़ाकर मन्नतें मांगी और आशीर्वाद प्राप्त किया। लोगों का मानना है कि नटबीर बाबा के दरबार से कोई खाली हाथ नहीं जाता।दूर–दराज से आई सजी–धजी दुकानों, झूले, चाट–पकौड़ी और खिलौनों ने मेले की शोभा को चार चांद लगा दिए। पूरा मेला परिसर रोशनी और रौनक से जगमगा उठा।इस अवसर पर मेला प्रबंधक रिंकू सिंह, हरिश्चंद्र सिंह, पप्पू सिंह, सोनू बीडीसी, कृष्ण महाराज सहित समस्त ग्रामीण सेवादार के रूप में मौजूद रहे और पूरी व्यवस्था को सफल बनाने में जुटे रहे।

घर के अंदर पंखे से लटका मिला युवक का शव

अमेठी,संवाददाता। जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के खेदा पुन्नपुर गांव में गुरुवार सुबह मनोज (35) घर के अंदर फांसी पर लटका मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और मामले की जांच कर रही है। मनोज, राम अभिलाख का बेटा था और मुंबई में रहता था। वह तीन दिन पहले परिवार को मुंबई में छोड़कर गांव आया था। परिजनों के मुताबिक, वह परिवार में हो रही रामकथा में शामिल होने आया था। गुरुवार को मनोज के फांसी लगाने की जानकारी मिलने पर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को रौंदा





रामसनेहीघाट, बाराबंकी। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत चौकी हथौंधा के मेडुवा कट के पास हाईवे पर तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने एक मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल चालक उछलकर सड़क पर जा गिरा और उस पर चार पहिया वाहन चढ़ गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। टोल प्लाजा की एंबुलेंस से उसे जिला अस्पताल इलाज के लिए लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान विकास उम्र करीब 17 वर्ष पुत्र उदयराज, निवासी बबुरा, जैदपुर के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मृतक अपने मामा के घर मेडुवा गांव में रहता था।बताया गया कि वह घर के काम से कोटवा सड़क जा रहा था, तभी ये घटना हो गई। दुर्घटना करके भाग रहे चार पहिया वाहन को ग्रामीणों व पुलिस की सहायता से अहमदपुर टोला के पास से पकड़ लिया गया और वाहन को हिरासत में ले लिया गया है।

लाखों का आरसी सेंटर बना भ्रष्टाचार का स्मारक, झाड़ियों में दफन हुई सफाई की मंशा

बाराबंकी रामसनेहीघाट। कहते हैं सफाई ही सेवा है,लेकिन दरियाबाद ब्लॉक में सफाई के नाम पर सेवा नहीं,मेवा बंटी है! विकास खण्ड दरियाबाद के ग्राम पंचायत दनापुर कयामपुर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत लाखों रुपये फूंककर एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्र (ठ्स्ब सेंटर) बनाया गया था। मकसद था गांव से कचरा उठेगा, खाद बनेगी, गांव चमकेगा। लेकिन हकीकत ये है कि उद्घाटन से पहले ही ये केंद्र खंडहर बन गया। आलम ये है कि जिस परिसर में कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण होना था,वहां आज कूड़े की जगह गिट्टी–मौरंग ढंप है। चारों तरफ बड़ी–बड़ी झाड़ियां उग आई हैं। ये झाड़ियां ही अब इस केंद्र की पहचान बन गई हैं।प्रधान के चहेतो का कब्जा है आम जनता की गाढ़ी कमाई की बर्बादी का इससे बड़ा सबूत और क्या होगा?



वित्तीय वर्ष की बिदाई और धन की बंदरबांट! ग्रामीणों का आरोप है कि वित्तीय वर्ष खत्म होने की हड़बड़ी में आनन–फानन में निर्माण कराकर सिर्फ कागजों में काम दिखाया गया और धन की बंदरबांट कर ली गई। सेंटर बना,पैसा हजम, लेकिन संचालन का मुहूर्त आज तक नहीं आया।

सफाई व्यवस्था ध्वस्त, गंदगी का अंबार

गांव में हर गली, हर नाली में गंदगी का अंबार लगा है। घरों से निकलने वाला कचरा न केंद्र सेंटर तक पहुंच रहा है,न उसका निस्तारण हो रहा है। सफाई के नाम पर लाखों खर्च हो गए,लेकिन गांव की सूरत जस की तस है,

कूड़ा संग्रहण के लिए पंचायतों को दिए गए ई–रिक्शा भी अब धूल फांक रहे हैं। केंद्र बंद तो रिक्शा किस काम के? सफाई कर्मी भी कागजों में ही दौड़ रहे हैं।अब बड़ा सवाल ये है – जब सेंटर ही नहीं चला तो लाखों का बजट गया कहां? किसकी जेब में गया? क्या इसकी जांच होगी या फाइलों में ही दबकर रह जाएगा ये घोटाला?

इस संबंध में सचिव अमन श्रीवास्तव का कहना है कि जांच करवाई जाएगी।

भाजपा से कैप्टन राहुल तिवारी का इस्तीफा, संगठन में एकाधिकार और नीतियों पर उठाए सवाल

उन्नाव संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य कैप्टन राहुल तिवारी (सदस्यता संख्या– 214891) ने पार्टी की प्राथमिक और सक्रिय सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को भेजा है। इस्तीफे में उन्होंने संगठन के भीतर बढ़ते एकाधिकार, कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और केंद्र सरकार की नीतियों पर असहमति जताई है।

कैप्टन राहुल तिवारी ने आरोप लगाया कि उन्नाव जिले में संगठन एक ही व्यक्ति के इर्द–गिर्द सिमट कर रह गया है। पार्टी में लंबे समय से काम कर रहे समर्पित कार्यकर्ताओं की बातों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

नीतिगत मुद्दों पर सरकार को घेरते हुए उन्होंने कहा कि महंगाई, महंगी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं ने आम परिवारों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने एविएशन सेक्टर में एकाधिकार से महंगी होती हवाई यात्रा, रेलवे व बंदरगाहों के निजीकरण और यूजीसी (UGC) के नए नियमों पर भी सवाल उठाए। इसके अलावा, उन्होंने उज्जैन में 170 साल पुराने हनुमान मंदिर को विकास कार्यों के दौरान क्षति पहुंचने पर चिंता जताते हुए आधुनिक तकनीक के जरिए विरासत बचाने की बात कही।



कैप्टन राहुल तिवारी

युवाओं और किसानों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पेपर लीक की घटनाएं युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ हैं, वहीं किसान कर्ज और खाद की किल्लत से जूझ रहे हैं। उन्होंने तंज कसा कि विज्ञापनों के बजाय सरकार को जमीनी समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। हालांकि, नीतिगत असहमति के बावजूद कैप्टन राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रति अपना सम्मान और आभार व्यक्त किया है।

एस्केलेटर में कुर्ता फंसने से बुजुर्ग गिरे

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता।परी चौक मेट्रो स्टेशन पर गुरुवार को एस्केलेटर में एक 62 वर्षीय बुजुर्ग यात्री का कुर्ता फंसने से बड़ा हादसा होते–होते टल गया। बुजुर्ग का कुर्ता फंसते ही वह गिर गए और उनके गिरते ही दूसरे यात्री भी उनके ऊपर गिरने लगे। तभी मौके पर मौजूद यूपीएसएसएफ जवानों ने तुरंत एस्केलेटर बंद कर सभी को सुरक्षित बचाया। उन लोगों का शोर सुनने के बाद ड्यूटी पर तैनात आरक्षी विकास भाटी और उपनिरीक्षक वरुण कुमार ने तत्परता दिखाते हुए एस्केलेटर बंद कराकर विपरीत दिशा में चला दिया,जिससे बुजुर्ग समेत अन्य यात्रियों को सुरक्षित बचाया गया। जवानों की तत्परता से हादसा टल गया।

छठ पूजा को लेकर प्रशासन सतर्क, डीएम-एसपी ने नानामऊ घाट का किया निरीक्षण

बांगरमऊ (उन्नाव), संवाददाता। आगामी छठ पूजा पर्व के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। गुरुवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह और बांगरमऊ विधायक की उपस्थिति में तहसील क्षेत्र के नानामऊ घाट का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाट पर चल रही तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों को समय रहते सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के सख्त निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने घाट की साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग, शौचालय, चेंजिंग रूम और बैरिकेडिंग की स्थिति देखी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि घाटों की नियमित सफाई में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महिला श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में चेंजिंग रूम और महिला–पुरुषों के लिए अलग–अलग शौचालय बनवाने को कहा गया।



जल सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी ने नदी के गहरे स्थानों को चिह्नित कर वहां मजबूत बैरिकेडिंग करने और गहराई वाले बिंदु से आगे श्रद्धालुओं को जाने से रोकने के लिए बल्लियां लगाने के निर्देश दिए। साथ ही, एसडीएम को गोताखोरों की टीम सक्रिय रखने और सभी के मोबाइल नंबर सुरक्षित रखने को कहा।

उन्होंने सीओ को निर्देशित किया कि भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए। घाट पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था करने पर भी जोर दिया गया, ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को स्नान–पूजन में कोई असुविधा न हो।

इस मौके पर उपजिलाधिकारी बांगरमऊ बृजमोहन शुक्ला, क्षेत्राधिकारी समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीधाम एक्सप्रेस से रुपयों और जेवर से भरा बैग चोरी

आगरा,संवाददाता। श्रीधाम एक्सप्रेस से सफर कर रही एक महिला का लाखों रुपए के जेवर और 80 हजार रुपए नकद से भरा बैग चोरी हो गया। महिला अपनी बेटी के साथ भोपाल से आगरा लौट रही थी। झांसी और डबरा के बीच सुबह करीब 5 बजे मां–बेटी को झपकी लग गई। इसी दौरान चोर उनका गुलाबी रंग का बैग लेकर फरार हो गया। नींद खुलने पर बैग गायब मिला तो दोनों के होश उड़ गए। कैंट जीआरपी के सीओ राजेश दीक्षित ने बताया कि अलबतिया, शाहगंज निवासी शमा खान अपनी बेटी छवि के साथ श्रीधाम एक्सप्रेस से भोपाल से आगरा आ रही थीं। दोनों 6 नवंबर को पति के साथ कार से भोपाल घूमने गई थीं। वापसी के दौरान महिला को परेशानी होने पर उनके पति ने उन्हें ट्रेन में बैठाकर आगरा के लिए रवाना कर दिया था।

मां–बेटी ए–1 कोच में सीट नंबर 31 और 33 पर सफर कर रही थीं। यात्रा के दौरान महिला ने हाथों से आभूषण उतारकर पर्स में रख लिए थे। झांसी स्टेशन के बाद मां–बेटी को नींद आ गई। इसी दौरान चोर उनका गुलाबी रंग का बैग लेकर फरार हो गया। डबरा के आसपास जब उनकी नींद खुली तो बैग गायब मिला। दोनों ने पूरे कोच में बैग तलाश किया, लेकिन उसका पता नहीं चला। इसके बाद टीटीई और रेलवे पुलिस को सूचना दी। पीड़ित महिला के मुताबिक, बैग में करीब दो तोले का सोने का कंगन, चार सोने की अंगूठियां, दो चांदी की अंगूठियां, चांदी का छल्ला, एक घड़ी और 80 हजार रुपए नकद रखे थे। इसके अलावा दो एटीएम कार्ड, दो बैंक पासबुक, आधार कार्ड, पैन कार्ड और पर्स भी बैग में था। महिला के पति कपड़े का कारोबार करते हैं। उनकी दो बेटियां हैं। चोरी हुए जेवर बड़ी बेटी की शादी के लिए खरीदे गए थे। घटना के बाद परिवार परेशान है। आगरा कैंट जीआरपी ने जीरो एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रामकोट कस्बे में कूड़ा उठान के नाम पर वसूली का आरोप, जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर

नियमित कूड़ा नहीं उठने से, मोहल्लों में लगे कूड़े के ढेर

लोक हस्तक्षेप समाचार

सीतापुर। रामकोट कस्बे में साफ–सफाई व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी होती नजर आ रही है। कस्बे में कूड़ा उठान की व्यवस्था लोगों के लिए मजाक बनकर रह गई है। आरोप है कि कूड़ा उठाने के नाम पर लोगों से वसूली की जा रही है लेकिन इसके बावजूद नियमित रूप से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है। कस्बे के तमाम मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। जगह–जगह जमा कूड़ा स्वच्छता व्यवस्था की हकीकत बयां कर रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कूड़ा उठाने वाले कर्मचारी भी मनमानी कर रहे हैं। आम लोगों के घरों से कूड़ा उठाने के बजाय केवल अपने जाने–पहचाने लोगों के घरों से ही कूड़ा उठाया जा रहा है। इससे कस्बे के अन्य लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कूड़े के ढेरों से दुर्गंध फैल रही है और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। एक ओर सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता को लेकर बड़े–बड़े दावे कर रही है वहीं दूसरी ओर रामकोट कस्बे में कूड़ा उठान की बदहाल व्यवस्था इन दावों की पोल खोल रही है। स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि कूड़ा उठान के नाम पर हो रही कथित वसूली की जांच कराई जाए तथा फूले कस्बे में बिना किसी भेदभाव के नियमित कूड़ा उठान सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।



किशोरी नदी में डूबी, 15 घंटे से गोताखोर कर रहे तलाश

सीतापुर,संवाददाता। तंबौर क्षेत्र के रतनगंज गांव में बुधवार शाम करीब 4 बजे भाई दूज पर मामा के घर आई सात वर्षीय मासूम काजल शारदा नदी में डूब गई। घटना के करीब 15 घंटे बीत जाने के बाद भी बालिका का कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस और गोताखोर नदी में उसकी तलाश में जुटे हैं। नदी में जाल डालने के साथ ही अलग–अलग स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। उधर, मासूम के लापता होने से परिवार में कोहराम मचा है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, रेउसा थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत रमुवापुर कालिका सिंह निवासी ब्रजकिशोर भार्गव भाई दूज के त्योहार पर अपनी पत्नी और सात वर्षीय बेटी काजल के साथ तंबौर थाना क्षेत्र के रतनगंज गांव में अपने साले बदलू मार्गव के घर आए थे। परिवार में त्योहार की खुशियां मनाई जा रही थीं। इसी दौरान बुधवार शाम करीब चार बजे काजल खेलते समय शारदा नदी के किनारे चली गई थी। बताया जा रहा है कि इसी दौरान पैर फिसलने से वह नदी में डूब गई। काफी देर तक काजल के वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

नदी में डूबने की आशंका होने पर पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही तंबौर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। नदी में जाल डलवाकर तलाश शुरू कराई गई। बाद में गोताखोरों की मदद से भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया। घटना की जानकारी भाजपा मंडल अध्यक्ष विमलेश चौरसिया ने सेवता विधायक ज्ञान तिवारी को दी। विधायक ने एसडीएम बिसवां डॉ. राहुल सिंह वत्स से फोन पर बात कर पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने और तलाश तेज कराने के निर्देश दिए। मौके पर नायब तहसीलदार सुधीर श्रीवास्तव और लेखपाल इरशाद अली भी मौजूद रहे।

सपा नेता के बंद घर का ताला तोड़कर चोरी

हरदोई,संवाददाता। जिले के मल्लावां में सपा नेता संतोष पटेल के बंद घर का ताला तोड़कर चोर 17 हजार रुपए नकद और करीब दो लाख रुपए के जेवर ले गए। घटना के समय संतोष परिवार के साथ गांव गए थे। संतोष पटेल कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हेरवल के रहने वाले हैं। फिलहाल वे कस्बे के मगवंत नगर में पानी की टंकी के पीछे रहते हैं। चोरों ने घर और कमरों के ताले तोड़े। इसके बाद अलमारी से सोने की एक जोड़ी झाले, नाक का एक बूंदा, चांदी की एक जोड़ी पायल और 17 हजार रुपए नकद ले गए। गुरुवार को गांव से लौटने पर संतोष ने घर का ताला टूटा देखा।

एसबीआई की शाखा और एटीएम को तंबौर स्थानांतरित करने के फैसले का विरोध शुरू

सीतापुर,संवाददाता।

विकासखंड तंबौर क्षेत्र के बिसवां खुर्द में एसबीआई की शाखा और एटीएम को तंबौर स्थानांतरित करने के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे ग्रामीणों ने बैंक के सामने अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक बैंक स्थानांतरण का फैसला वापस नहीं लिया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे अर्पित सिंह ने बताया कि बिसवां खुर्द स्थित एसबीआई शाखा से आसपास के कई गांवों के लोग बैंकिंग सेवाओं का लाभ लेते हैं। शाखा और एटीएम के तंबौर स्थानांतरित होने से 10 हजार से अधिक लोगों को परेशानी होगी। उन्हें बैंकिंग से जुड़े छोटे–छोटे कामों के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र के बड़ी संख्या में बुजुर्ग और पेंशनधारक बैंक पर निर्भर हैं। किसानों को भी रुपये जमा करने, निकालने और दूसरे बैंकिंग कार्यों के लिए बार–बार शाखा जाना पड़ता है। बैंक के स्थानांतरित होने से सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों महिलाओं किसानों और पेंशनधारकों को होगी। ग्रामीणों ने बताया कि बैंक शाखा का स्थानांतरण रोकने के लिए पहले भी बैंक और प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन दिया गया था। इसके बावजूद उनकी मांग पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज होकर अब उन्होंने अनिश्चितकालीन अनशन शुरू किया है। ग्रामीणों ने बैंक प्रबंधन और प्रशासन से फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। एसबीआई के रीजनल मैनेजर धीरेंद्र कुमार ने बताया कि बैंक 2 सालों से घाटे में चल रही थी।

पहलवानों से मिलकर उत्साह बढ़ाया

बांदा,संवाददाता। बांदा के ग्राम लौली टीकामऊ में आयोजित दंगल प्रतियोगिता में बबेरू विधायक विष्मर सिंह यादव शामिल हुए। उन्होंने पहलवानों से मुलाकात की और उनका उत्साह बढ़ाया। दंगल में क्षेत्र के अलग–अलग गांवों से आए पहलवानों ने कुश्ती की। मुकाबले देखने के लिए ग्रामीण और आसपास के इलाकों से दर्शक पहुंचे। विधायक विष्मर सिंह यादव ने कहा कि दंगल बुंदेलखंडी संस्कृति और पारंपरिक खेलों की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रदर्शन का मौका देते हैं और पुरानी परंपराओं को बनाए रखने में मदद करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति और ग्रामवासियों को आयोजन के लिए बधाई दी।

बेरियाघाट मेला तैयारियों की जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

हरदोई,संवाददाता। जिले के मल्लावां क्षेत्र में बेरियाघाट मेले की तैयारियों को लेकर गुरुवार को समीक्षा बैठक हुई। स्वामी विवेकानन्द समागार में जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभागों की तैयारियों पर चर्चा की गई। डीएम ने अधिकारियों को सभी इंतजाम समय पर पूरे करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखा जाए। मेले तक आने वाली सड़कों के गड्ढे भरने और जरूरी सुधार कराने को कहा। यातायात के लिए रूट डायवर्जन प्लान बनाने और वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। बेरियाघाट पर बैरिकेडिंग, सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और पब्लिक एड्रेस सिस्टम चलाने को कहा गया। श्रद्धालुओं को घाट पर गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। गोताखोर, नाव, मोटर बोट और रेस्क्यू टीम तैनात करने को कहा गया। आपदा मित्रों की तैनाती और घाटवार टीमें बनाने के निर्देश भी दिए गए, ताकि आपात स्थिति में राहत और बचाव का काम तुरंत शुरू हो सके। डीएम ने मेले में खोया–पाया केंद्र, चेंजिंग रूम और जानकारी वाले फ्लेक्सी लगाने को कहा। बिजली विभाग को बिजली और रोशनी का इंतजाम करने के निर्देश दिए। ठंड को देखते हुए अलाव जलाने, पर्याप्त लकड़ी रखने और सड़क किनारे पेड़ों की छंटाई कराने को भी कहा। श्रद्धालुओं के लिए साफ पेयजल और तय समय पर पानी के टैंकर पहुंचाने के निर्देश दिए गए। डीपीओआरओ और अधिशासी अधिकारी को सेक्टरवार सफाईकर्मी तैनात कर नियमित सफाई कराने को कहा गया। बेरियाघाट पर चिकित्सा शिविर लगाने और डॉक्टरों की रोस्टर के अनुसार ड्यूटी तय करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में एसपी अशोक कुमार मीणा ने सुरक्षा, पुलिस बल की तैनाती और भीड़ प्रबंधन के निर्देश दिए। एडीएम वित्त एवं राजस्व दीपाली भार्गव, एडीएम न्यायिक राजेन्द्र कुमार, एसडीएम बिलग्राम नहने राम और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

बीजेपी ने बनाये 403 विधानसभा सीटों पर प्रभारी : गोरखपुर सदर से विवेकानंद, गाजियाबाद से मीनाक्षी को जिम्मेदारी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने 403 सीटों पर प्रभारी नियुक्त कर दिए हैं प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने विधानसभा प्रभारियों के नामों का ऐलान किया। ये अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से समन्वय कर पार्टी की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। गोरखपुर सदर सीट से विवेकानंद वर्मा अमरेहा सीट से सुरेश सैनी, गाजियाबाद सीट से मीनाक्षी, मोदीनगर सीट से गोविंद चौधरी को प्रभारी बनाया गया है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने श्रृंगवेरपुर सीट से बीजेपी, गोरखपुर क्षेत्र के नवनियुक्त विधानसभा प्रभारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।बीजेपी ने संगठनात्मक प्रांतों के हिसाब से विधानसभा सीटोंपर प्रभारी नियुक्त किए हैं। इनमें अवध क्षेत्र में 82, काशी क्षेत्र में71, कानपुर-बुंदेलखंड में 52, पश्चिमी यूपी में 71, गोरखपुर क्षेत्र में62 और ब्रज क्षेत्र में65 प्रभारी नियुक्त किए गए हैं।सुरेश सैनी अमरेहा



विधानसभा क्षेत्र प्रभारी बने हैं। मुरादाबाद की बिलारी सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं।सुरेश सैनी 2012 में मुरादाबाद देहात और 2016 के उपचुनाव और 2017 के विधानसभा चुनाव में बिलारी सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। वे तीनों चुनाव सपा प्रत्याशी से हार गए थे।मीनाक्षी भराला को गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र की प्रभारी बनाई गई हैं। आजमगढ़ की 344 गोपालपुर के लिए ऋषिकान्त राय, 345 संगड़ी के लिए सबल सिंह पालीवाल, 346 मुबारकपुर के लिए रमाकान्त मिश्रा, 347 आजमगढ़ सदर के लिए हनुमन्त प्रसाद सिंह और 352 मेहनगर (सु.) के लिए आदित्य राय प्रभारी बनाए गए हैं। कुशीनगर में 329 खड्डा के लिए एस्नीधर राम त्रिपाठी, 330 पडरौना के लिए मारकण्डेय शाही, 331 तमकुहीराज के लिए अजय उपाध्याय, 332 फाजिलनगर के लिए संजय राव, 333 कुशीनगर के लिए कुंज बिहारी सिंह, 334 हाटा के लिए मारकण्डेय तिवारी और 335 रामकोला सु. के लिए बलराम उपाध्याय को प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।गोरखपुर की 320 कैम्पियरगंज के लिए राजेन्द्र निषाद, 321 पिपराईच के लिए प्रमोद शाही, 324 सहजनवां के लिए जगदम्बा श्रीवास्तव, 325 खजनी सु.के लिए आनंद कुमार त्रिपाठी, 326 चौरीचौरा के लिए संतोष दत्त राय, 327 बांसगांव सु. के लिए रमेश सिंह और 328 चिल्लूपार के लिए संतोष राय प्रभारी बनाए गए है।गोरखपुर महानगर में 322 गोरखपुर सदर के लिए विवेकानन्द वर्मा और 323 गोरखपुर ग्रामीण के लिए उमाशंकर साहनी को जिम्मेदारी दी गई है। देवरिया में336 रुद्रपुर के लिए गुलाब ब्वज मन्थ सिंह, 337 देवरिया के लिए संजय सिंह, 338 पथरदेवा के लिए हेमन्त पाठक, 339 रामपुर कारखाना के लिए गणेशपाल सिंह, 340 भाटपार रानी के लिए विनोद गुप्ता, 341 सलेमपुर सु. के लिए दिवाकर मणि त्रिपाठी और 342 बरहज के लिए नित्यानन्द मिश्र को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तंज, बोले अफवाह फैलाकर यादव को कर रहे बर्बाद

लखनऊ,संवाददाता। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए निशाना साधा है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, अखिलेश यादव, आप तो अभी तक सो ही रहे होंगे, लेकिन आपका पीडीए यानी पीट लेगा अहीर आपके सीएम बनने की अफवाह भर से सो ही नहीं रहा है। ओपी राजभर ने इटावा की घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि इटावा का गुंडा बिट्टू यादव अखिलेश यादव की दो-चार प्रेस कॉन्फ्रेंस देखकर इतना मनबढ़ हो गया कि उसको लगने लगा है कि अब तो उसकी गुंडई का राज वापस आने ही वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी हनक और सनक में उसने दलित चंद्रमोहन दिवाकर की संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की। जनता ने रोकने की कोशिश की तो पहले जमकर गालियां दीं और फिर दलित



चंद्रमोहन दिवाकर को बुरी तरह से पीटा। ओपी राजभर ने बाराबंकी की घटना का भी जिक्र किया।

उन्होंने लिखा कि बाराबंकी में तो आपका गुंडा प्रमोद यादव और भी आगे निकल गया। उसने दलित दिलीप पासी को पीट-पीटकर जान से मार डाला। ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव से सवाल करते हुए लिखा, क्या एक तरफ आपके चाचा बोलते हैं कि कोई गुंडई करे तो उसे पार्टी से बाहर निकाल दो और वहीं दूसरी तरफ आपके गुंडे अपनी मनमानी कर रहे हैं, जब मन तब दलितों से मारपीट और गाली-गलौज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सही कहते हैं, आप लोगों ने हर चौराहे पर गुंडों को पाल रखा है। राजभर ने पोस्ट में लिखा, मित्र अखिलेश जी, नींद और भ्रम की दुनिया से बाहर आइए और अपने गुंडों को कंट्रोल कीजिए। बताइए कि यादव-यादव बोलकर ज्यादा सीना न ठोंकें, नहीं तो यूपी पुलिस ऐसे लोगों की ऐंठन दूर करने में बहुत काबिल है।

पत्रीजी जीवन अमृत महोत्सव शुरू

लखनऊ,संवाददाता निमिषारण्य में पत्री जी जीवन अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उत्सव में सूरत,मुंबई, बलसाड़ समेत देशभर के करीब तीन सौ ध्यान मास्टर शरीक होने पहुंचे हैं।कल से शुरू हुए इस समारोह में 14 नवम्बर तक ध्यान, साधना,सत्संग और सेवा के कार्यक्रम होने हैं। समारोह में सीनियर पिरामिड मास्टर दीप्ति नडेला यानि दीपि अम्मा जीवन मे ध्यान और शांति के बारे में लोगों को मार्गदर्शन देंगी। आज कार्यक्रम में लखनऊ के एक पुलिस हवलदार का अनुभव प्रेरणादायक रहा।यहीं मेडिटेशन के साथ दुरुसों की सहायता भी सिखाई जाती है। आयोजकों ने बताया कि ध्यान केवल अपने लिये नही समाज की शान्ति और सेवा के लिए है।विधानसभा सचिवालय के एक अधिकारी नीरज सचान ने बताया कि यह आयोजन बलराम आश्रम नैमिषारण्य में संभाला सिरीचुअल फाउंडेशन के तत्वाधान में किया जा रहा है।कार्यक्रम 14 नवम्बर तक चलेगा।

युवक की जहर खाने से मौत

वाराणसी,संवाददाता।

मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के ठठरा गांव निवासी रोहित सिंह (30) की जहर खाने से मौत हो गई। बुधवार रात करीब 9.30 बजे उनकी तबीयत बिगड़ गई थी। गुरुवार सुबह 8.30 बजे डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों के मुताबिक, रोहित के पिता शिव पूजन सिंह की 2021 में अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई थी। रोहित अपने पिता के इकलौते बेटे थे। पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। परिवार का खर्च चलाने के लिए रोहित ने कछवा रोड–कपसेठी मार्ग पर बैंक ऑफ बड़ौदा का टाइनी बैंक खोल रखा था। उनके परिवार में मां, पत्नी ज्योति सिंह और चार साल का बेटा है। जहर खाने के बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए थे। वहां रातभर उनका इलाज चला, लेकिन गुरुवार सुबह डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रोहित की मौत से परिवार और गांव में शोक है। ग्रामीणों के मुताबिक, रोहित मिलनसार स्वभाव के थे। गांव के लोग परिजनों को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं।

खाद्य प्रसंस्करण योजनाओं को लेकर किसानों, महिलाओं, और उद्यमियों को किया जाए जागरूक: केशव

लखनऊ,संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश सरकार की खाद्य प्रसंस्करण 2023 संबंधी योजनाओं और उनमें उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं प्रोत्साहन का ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार–प्रसार कराया जाए। किसानों, कृषि उद्यमियों, युवाओं, स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों तथा महिला उद्यमियों को इन योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाए, जिससे वे कृषि उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, भंडारण और निर्यात के क्षेत्र में आगे आ सकें। उत्तर प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की अपार संभावनाएं हैं। सरकार का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, कृषि उत्पादों की बर्बादी रोकने, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाना है। इसके लिए विभाग योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक



पहुंचाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करे। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए प्लांट, मशीनरी और तकनीकी सिविल कार्य पर 35 प्रतिशत, अधिकतम पांच करोड़ रुपये तक पूंजीगत सब्सिडी का प्रावधान है। इकाइयों के विस्तार एवं आधुनिकीकरण पर भी 25 से 35 प्रतिशत तक सहायता दी जा सकती है। भूमि खरीद पर 100 प्रतिशत स्टाम्प ड्यूटी छूट, भूमि उपयोग परिवर्तन शुल्क में 50 प्रतिशत छूट तथा पात्र परियोजनाओं में बाह्य विकास शुल्क पर 75 प्रतिशत छूट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। कोल्ड चेन, मूल्य संवर्धन, एग्रो प्रोसेसिंग क्लस्टर और बैकवर्ड–फॉरवर्ड लिंकेज विकसित करने के लिए भी आकर्षक अनुदान की व्यवस्था है। पात्र परियोजनाओं में 10 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जा सकती है। स्वयं सहायता समूहों, एफपीओ और किसानों को विकेंद्रीकृत प्रसंस्करण एवं भंडारण के लिए परियोजना लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 50 लाख रुपये तक अनुदान मिल सकता है।

20 नवंबर को वाल्मीकि समाज का महासम्मेलन

लखनऊ,संवाददाता। वाल्मीकि समाज अपने मान–सम्मान, अधिकार और राजनीतिक भागीदारी के लिए एकजुट होकर आवाज उठाएगा। इसके लिए 20 नवंबर को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में वाल्मीकि महासम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। वाल्मीकि महासम्मेलन आयोजन समिति के बैनर तले होने वाले इस आयोजन में देशभर से समाज के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन के जरिए समाज की मांगों को शासन–प्रशासन और राजनीतिक दलों तक पहुंचाया जाएगा। हजरतगंज स्थित प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता के दौरान नरेश बाल्मीकि ने कहा कि वाल्मीकि समाज के पढ़े–लिखे और योग्य युवाओं को उनकी क्षमता के अनुसार अवसर नहीं मिल रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार आरक्षण में उप–वर्गीकरण लागू होना चाहिए। इसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष समेत सभी राजनीतिक दलों से तत्काल वर्गीकरण लागू कराने की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि समाज के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। महासम्मेलन किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि पूरे वाल्मीकि समाज को एक मंच पर लाने का प्रयास है। इसमें देशभर के प्रतिनिधि शामिल होकर समाज के अधिकारों के लिए आवाज उठाएंगे। राम सिंह बाल्मीकि ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा की 80 आरक्षित सीटों में से कम से कम 10 सीटों पर वाल्मीकि समाज के प्रत्याशियों को चुनाव लड़ने का अवसर दिया जाए। समाज का मानना है कि राजनीतिक भागीदारी के बिना वास्तविक विकास संभव नहीं है। नीति निर्धारण में समाज की सीधी हिस्सेदारी जरूरी है।

विधानसभा के सामने व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में विधानसभा गेट नंबर–3 के सामने गुरुवार को एक व्यक्ति ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। बहराइच के कैसरगंज निवासी चंदन पत्नी और दो बच्चों के साथ विधानसभा पहुंचा था। जमीन विवाद से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया। अचानक हुई घटना से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। चंदन का आरोप है कि उसकी सौतेली मां ने उसकी जमीन पर कब्जा कर रखा है। इसको लेकर वह पिछले आठ महीने से अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है। कई जगह शिकायत करने के बावजूद उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। पीड़ित के मुताबिक, उसने जमीन पर कब्जे को लेकर

महमूरगंज पुल से आकाशवाणी तिराहे तक जाम लगा, एंबुलेंस और स्कूली बस फंसीं

वाराणसी,संवाददाता। तुलसीपुर वार्ड के महमूरगंज पुल से आकाशवाणी तिराहे तक जाम लग गया। इसमें एंबुलेंस और स्कूली बच्चों से भरी बस फंस गई। वाहन घंटों तक धीरे–धीरे चलते रहे। स्थानीय लोगों के मुताबिक, आकाशवाणी तिराहे पर सिर्फ एक ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौजूद था। महमूरगंज चौकी का कोई पुलिसकर्मी या अन्य ट्रैफिक पुलिसकर्मी वहां नहीं था। जाम में फंसी एंबुलेंस को निकालने के लिए लोगों को मशक्कत करनी पड़ी। स्कूली बस भी लंबे समय तक फंसी रही। स्थानीय लोगों ने पुलिस की लापरवाही पर नाराजगी जताई और ऐसी स्थिति से बचने के लिए बेहतर व्यवस्था करने की मांग की। वहां मौजूद स्थानीय लोगों में राजू यादव, भैया लाल, सूरज सिंह, पिंटू यादव और सोनू चौरसिया शामिल थे।

दीदी मिठाई छीन लेती है, हमें मारती है

- डीएम की पत्नी के सामने बाल सुधार गृह के बच्चों ने बयां किया दर्द
- केयरटेकर अंकिता के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ,संवाददाता। बागपत में दीपावली के मौके पर एक बाल संरक्षण गृह बालगृह की खौफनाक हकीकत उस वक्त सामने आई, जब खुद जिलाधिकारी दिव्यांशु पटेल की पत्नी स्वाति सहगल वहां पहुंचीं। बच्चों को मिठाई बांटने गईं स्वाति के सामने बच्चों ने मारपीट, धमकी और उत्पीड़न का जो दर्द बयां किया, उसने पूरे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा दिया। डीएम के सख्त निर्देश के बाद बालगृह की केयरटेकर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दीदी हमें मिठाई नहीं खाने देतीं दीपावली के दिन स्वाति सहगल अपनी बेटी और सास के साथ सरूरपुर कलां गांव स्थित श्रीतिज



बाल एवं शिशु गृह पहुंची थीं। उन्होंने बच्चों को गोद में दुलारा और उन्हें मिठाई व उपहार बांटे। वह बच्चों से बात कर रही थीं, तब एक मासूम का दर्द छलक उठा। बच्चे ने बड़ी मासूमियत से कहा, दीदी हमें मिठाई नहीं खाने देतीं, ये खुद खा लेती हैं। यह सुनकर स्वाति सहगल हैरान रह गईं। इसके बाद उन्होंने अलग–अलग बच्चों से एकांत में बात की। बच्चों ने बताया कि उनके साथ मारपीट की जाती है और सामान मांगने पर उन्हें धमकाया जाता है। एक बच्चे ने यहां तक कहा कि आपके जाने के बाद ये सारे गिफ्ट और मिठाइयां छीनकर अपने घर ले जाएंगी। बालगृह से लौटने के बाद स्वाति सहगल ने पूरी घटना डीएम दिव्यांशु पटेल को बताई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने तुरंत जिला प्रोबेशन अधिकारी राहुल वर्मा को जांच के सख्त निर्देश दिए।

10 नवंबर को प्रोबेशन अधिकारी ने बालगृह का औचक निरीक्षण किया और बच्चों के बयान दर्ज किए। जांच में बच्चों की शिकायतों की पुष्टि होने के बाद, चाइल्ड हेल्पलाइन की प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर वंदना गुप्ता की तहरीर पर बागपत कोतवाली पुलिस ने केयरटेकर अंकिता के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली–सहारनपुर हाईवे किनारे स्थित धर्मशाला में श्घरौंदा वेलफेयर सोसायटीश द्वारा संचालित बालगृह में छह माह से लेकर सात साल तक के पांच बच्चे रह रहे हैं। 15 अगस्त 2026 से यहां बच्चों की देखभाल की जा रही है। बालगृह में रह रही दो बच्चियों की कहानी बेहद मार्मिक है।

डालीगंज जैन बाग में तीर्थंकर जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के डालीगंज स्थित जैन बाग में गुरुवार को तीर्थंकर जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया गया। श्री मज्जिनेन्द्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव में तीर्थंकर बालक के जन्म पर धार्मिक अनुष्ठान हुए। अयोध्या नगरी में बधाइयां गूंजीं और श्रद्धालुओं ने नृत्य–संगीत के बीच जन्मोत्सव मनाया। इस दौरान 1008 कलशों से अभिषेक किया गया। पांच दिवसीय पंचकल्याणक महोत्सव आचार्य 108 सुबल सागर महाराज के ससंघ मंगल सान्निध्य में आयोजित हो रहा है। सन्मति रत्न, सिद्धचक्र आराधक और प्रज्ञा श्रमण की उपस्थिति में धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे हैं। जन्म कल्याणक पर सुबह 7 बजे जिनाभिषेक और नित्य आराधना के साथ कार्यक्रम शुरू हुए। इसके बाद अयोध्या नगरी में तीर्थंकर बालक के जन्मोत्सव की खुशियां मनाई गईं।

सौमर्म इंद्र सभा और उनके नगरी आगमन का दृश्य प्रस्तुत किया गया। इसके बाद तीर्थंकर बालक को ऐरावत हाथी पर बैठाकर पांडुक वन ले जाया गया। यहां 1008 कलशों से अभिषेक और जन्म कल्याणक पूजन हुआ। धार्मिक प्रस्तुतियों को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। महोत्सव में आचार्य सुबल सागर महाराज ने श्रद्धालुओं को दिव्य देशना दी। शाम 7 बजे महाआरती और शास्त्र सभा आयोजित की जाएगी। रात 7.30 बजे बाल क्रीड़, तीर्थंकर बालक का पालन और अन्य धार्मिक प्रसंगों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। मीडिया प्रभारी पार्श्व कुमार जैन ने बताया कि पांच दिवसीय महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

छठ पूजा से पहले घाटों पर जगह घेरने की होड़

वाराणसी,संवाददाता। वार्ड नंबर 22 स्थित नगवा मोहल्ले के अस्सी घाट में गुरुवार को छठ महापर्व को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। पर्व से पहले ही घाटों पर श्रद्धालु अपनी–अपनी जगह सुरक्षित करने में जुट गए हैं। लोग घाटों पर अपनी सुविधा के अनुसार स्थान घेरने लगे हैं, ताकि छठ पूजा के दिन परिवार के साथ आसानी से पूजा–अर्चना कर सकें। स्थानीय लोगों का कहना है कि छठ पूजा के दौरान घाटों पर काफी भीड़ होती है। ऐसे में पहले से ही अपनी जगह निर्धारित करने की तैयारी की जा रही है। लोग घाटों पर अपनी जगह को व्यवस्थित करने में लग हैं। सुबह और शाम भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। छठ महापर्व को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

चूल्हे की चिंगारी से कच्चे मकान में आग लगी

वाराणसी,संवाददाता। कपसेठी थाना क्षेत्र के दबेथुआ दौलतिया गांव में गुरुवार सुबह चूल्हे की चिंगारी से एक कच्चे मकान में आग लग गई। आग से घर का सामान, राशन, बिस्तर, चारपाई और दो मोटरसाइकिलें जल गईं। गांव के भाईलाल ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि परिवार के लोग गुरुवार सुबह चूल्हे पर खाना बनाने के बाद खेत में काम करने चले गए थे। चूल्हे में बची अंगीठी से निकली चिंगारी पास के कच्चे मकान तक पहुंची और आग लग गई। आग मकान में रखे सामान तक फैल गई। इस घटना के बाद परिवार को आर्थिक नुकसान हुआ। कपसेठी थाना प्रभारी विकास मौर्य ने बताया कि भाईलाल के आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

किराने की दुकान और गोदाम में लगी भीषण आग, बीस लाख का सामान जलकर राख

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी में दुबग्गा के यादव बाजार स्थित इटौली रोड पर गुरुवार सुबह किराने की दुकान और गोदाम में भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में आग ने दुकान और मकान के दोनों मंजिलों पर बने गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आग से आटा, मैदा, दाल, चीनी, तेल, गुटखा और दोना–पत्तल समेत करीब 15 से 20 लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। आग इतनी भीषण थी कि लपटें दूर तक दिखाई देने लगीं। धुएं का गुबार उठता देख आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों में अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। गनीमत रही कि घटना के समय मकान में कोई मौजूद नहीं था। इससे जनहानि नहीं हुई। यादव बाजार निवासी मनीष गुप्ता की इटौली रोड पर परचून की



दुकान है। उनके दो मंजिला मकान के निचले हिस्से में दुकान और नीचे व ऊपरी हिस्से में सामान रखने के लिए गोदाम बना है। मनीष अपने परिवार के साथ इसी मकान में रहते हैं। मनीष के मुताबिक, भैया दूज के पर्व पर वह पत्नी के साथ ससुराल गए हुए थे। उनके छोटे भाई मिलन और परिवार के अन्य सदस्य पास ही फुलेश्वर मंदिर के निकट रहते हैं। गुरुवार सुबह करीब आठ बजे मकान में आग लगने की जानकारी मिली। इसके बाद परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते आग ने दुकान और गोदाम में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन लपटें तेज होने के कारण सफलता नहीं मिली। सूचना पर दुबग्गा पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की चार गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

इंस्पेक्टर श्रीकांत राय के मुताबिक, आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। हालांकि, असली वजह स्पष्ट नहीं हुई है। पीड़ित परिवार ने आग से करीब 15 से 20 लाख रुपए के नुकसान की बात कही है।

आजाद और ओवैसी ने बनाया सामाजिक परिवर्तन मोर्चा



लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने अपने नए राजनीतिक मोर्चे का ऐलान कर दिया है।दोनों नेताओं ने अपने गठबंधन का नाम इसामाजिक परिवर्तन मोर्चा एसपीएम रखा है। गठबंधन की ओर से चंद्रशेखर आजाद मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने ऐलान किया। चंद्रशेखर आजाद ने विपक्षी एकता को लेकर बड़ा संदेश दिया।उन्होंने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को साथ आने का ऑफर दिया।लखनऊ में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि उनका मोर्चा 2027 में सत्ता परिवर्तन के इरादे से चुनाव मैदान में उतरेगा।बीजेपी को सत्ता से बाहर करने के लिए जो भी दल उनके साथ आना चाहता है, उसका स्वागत है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस भी उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ सकती हैं।

आजाद ने कहा, हमारा दिल बड़ा है।हम समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को ऑफर देते हैं कि वे भी हमारे साथ मिलकर चुनाव लड़ें। जो भी हमारे साथ बीजेपी को हटाने आएगा, हम उसे शामिल करेंगे।

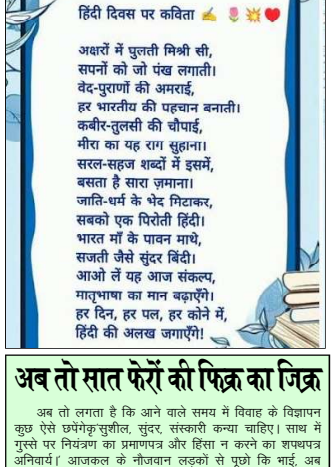
योगी के भैंस चराने वाले बयान पर भड़के अखिलेश

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के सैफई में कहीं भैंस चरा रहे होते वाले बयान पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तीखा पलटवार किया है। अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी पर गोपालकों का अपमान करने के साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का बयान अक्षम्य है। अखिलेश ने दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में हार की आशंका से मुख्यमंत्री की हताशा बढ़ती जा रही है और इसी वजह से उनकी भाषा का स्तर गिर रहा है।सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लंबी पोस्ट लिखकर योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। गोपालकों को अपशब्द कहकर सीएम ने प्रकारांतर से गोपाल यानी भगवान श्रीकृष्ण का अपमान किया है।

संपादकीय

गर्म होती दुनिया

ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर प्रभावों का त्रास आज पूरी दुनिया झेल रही है। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा और चक्रवात के बढ़ते क्रम हमारे समय का यथार्थ है। यह साल लगातार गर्म साबित हो रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार साल 2026 उपलब्ध मौसम इतिहास के सबसे चार गर्म वर्षों में शुमार है। इस साल सितंबर तक का वैश्विक औसत तापमान पूर्व औद्योगिक काल के मुकाबले 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ है। इस अप्रत्याशित तापमान वृद्धि की वजह 'अलनीनो' असर कहा जा रहा है, जिसके दिसंबर तक चरम पर पहुंचने की आशंका है। निस्संदेह दुनिया में अनियंत्रित विकास ने भी तापमान बढ़ाया है, जो मौसम में आने वाले अप्रत्याशित बदलावों का अहम कारक है। अमेरिका समेत तमाम विकसित देशों ने विकास के लक्ष्यों हेतु पर्यावरण के प्रश्न को नजरअंदाज किया है। इसीनी लालच व मुनाफाखोरी के औद्योगिक विकास ने अंधाधुंध कार्बन उत्सर्जन करके ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों को बढ़ाया है। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों से उपजी त्रासदी झेल रहे ग्लोबल साउथ के देशों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से विकसित देश विमुख हो जाते हैं। इसका सारा बोझ आखिरकार विकासशील व गरीब मुल्कों पर पड़ जाता है। ऐसे विषम हालात में तुर्किये में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु शिखर सम्मेलन में उम्मीद की किसी भी किरण पर संदेह के बादल छाए हुए हैं। वैश्विक भू–राजनीतिक हालात संभावना को मुश्किल बना रहे हैं। दुनिया में कई युद्धों और अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण नीतियों से विमुखता के चलते सम्मेलन से सार्थक नतीजों की उम्मीद कम ही है। हालांकि, अलनीनो मौसम प्रणाली का असर अभी चरम पर पहुंचना बाकी है, लेकिन नेपाल की भयावह त्रासदी ने आसन्न संकट का चित्र उकेर दिया है। निस्संदेह, 'कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज' यानी सीओपी–31 की अपनी कुछ सीमाएं हैं, जिसमें जलवायु संरक्षण संबंधी बहुपक्षीय सहयोग की कमी और परस्पर विरोधी लक्ष्य शामिल हैं। ऐसे में मानवता को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में एक ईमानदार पहल की जरूरत है। यह हकीकत है कि वर्ष 1850 में वैश्विक तापमान का रिकॉर्ड रखे जाने की शुरुआत के बाद से पिछले 12 साल सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने चिंता जतायी है कि ग्यारह साल पहले हुए पेरिस समझौते का यह लक्ष्य कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को पूर्व–औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए, अब हासिल न होगा। तभी 'कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज' जैसे सम्मेलनों की सार्थकता को लेकर आलोचना होती है। विश्व समुदाय का निराश होना स्वाभाविक है क्योंकि पिछले दशकों में इस दिशा में बहुत कम प्रगति हुई है। तमाम सरकारें इस मुद्दे पर उदासीन नजर आती हैं। लेकिन इसके बावजूद बढ़ते तापमान और ग्रीनहाउस गैसों के भारी उत्सर्जन से निपटने के लिये ऐसे आयोजनों के जरिये गंभीर चर्चा करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। ग्लोबल साउथ के देशों के लिये बेहद जरूरी है कि वे अपने अलग–अलग और जटिल हितों के बीच उन उपायों को लागू करें, जिनको लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। साथ ही जीवाश्म ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने में आने वाली लागत को भी रेखांकित करें।



अब तो सात फेरों की फिक्र का जिक्र

अब तो लगता है कि आने वाले समय में विवाह के विज्ञापन कुछ ऐसे छपेंगेकृसुशील, सुंदर, संस्कारी कन्या चाहिए। साथ में गुस्से पर नियंत्रण का प्रमाणपत्र और हिंसा न करने का शपथपत्र अनिवार्य।' आजकल के नौजवान लडकों से पूछो कि भाई, अब शादी कब कर रहे हो? तो जवाब मिलता हैकृनहीं जी, हमने शादी नहीं करनी! क्यों भाई? तो कहते हैंकृआजकल की लड़कियों का कोई भरोसा नहीं। कभी पहाड़ी से धक्का देकर मार देती हैं, तो कभी प्रेमी के साथ मिलकर पति के टुकड़े करके नीले ड्रम में भर देती हैं। हमें तो अपनी जान प्यारी है।

जमाना सचमुच बदल गया है। पहले मां–बाप बेटियों को विदा करते हुए डरते थे, अब बेटों के सिर पर सेहरा बांधने की बात पर भी कलेजा कांपने लगा है! शादी की बात पर लड़कों के चेहरे की हवाइयां यूं उड़ने लगती हैं, जैसे उनसे शादी नहीं, बल्कि सीधे किसी युद्ध में जाने का फरमान सुना दिया गया हो। पहले लड़के शादी के नाम पर घोड़ी चढ़ने के सपने देखते थे, अब घोड़ी तो दूर, शादी का कार्ड देखकर ही रास्ता बदल लेते हैं। लड़कों का कहना है कि नौकरी में बॉस की डांट सह लेंगे, महंगाई झेल लेंगे, ट्रैफिक में फंस लेंगे, अकेले ही दुख–सुख झेल लेंगे, लेकिन शादी करके जान जोखिम में क्यों डालें? कुछ घटनाओं ने लड़कों के मन में ऐसा डर बैठा दिया है, तो उनकी चिंता भी जायज है। इस पर एक ताऊ का कहना हैकृअरे भाई, शादी करणी सै या बॉर्डर पै जंग लड़ण जाणा सै, जो इतणा डर रह्या सै!' दूसरा बोल्याकृइब्ब तो छोरे ब्याह तै न्यूं भागैं सैं, जनूं फेरे ना होवैंगे, सीधे फांसी का फंदा होवैगा!' जब सदियों से लड़कियां दहेज की आग में जलाई जाती रहीं, कभी रसोई में सिलेंडर फटने का बहाना बनाकर मार दी गईं, तो कभी पति और ससुराल वालों की प्रताड़ना सहते–सहते दम तोड़ गईं, तब क्या लड़कियों ने शादी करना बंद कर दिया था? हां, कुछ लड़कियों के साथ भयानक अपराध हुए, लेकिन उन्होंने पूरे पुरुष समाज को अपराधी घोषित करके शादी से इनकार नहीं किया। तो फिर आज कुछ महिलाओं द्वारा किए गए उघिन्य अपराधों के आधार पर सारी लड़कियों को एक ही तराजू में क्यों तोला जा रहा है? कुछ सनसनीखेज घटनाओं को देखकर पूरी स्त्री जाति से डर जाना भी कैसी मर्दानगी है? अब तो लगता है कि आने वाले समय में विवाह के विज्ञापन कुछ ऐसे छपेंगेकृसुशील, सुंदर, संस्कारी कन्या चाहिए। साथ में गुस्से पर नियंत्रण का प्रमाणपत्र और हिंसा न करने का शपथपत्र अनिवार्य।' और विवाह के कार्ड पर 'शुभ विवाह' की जगह लिखना पड़ेगाकृदो परिवारों के बीच एक जोखिमपूर्ण समझौता!'

मक्का पैक्ट से भारत की घेराबंदी की कोशिश

विनय मिश्रा

बांग्लादेश में राजनीतिक बदलावों के बाद, एर्दोआन प्रशासन ने ढाका के साथ अपने संबंधों को काफी मजबूत किया है। बांग्लादेश ने तुर्किये से सैन्य उपकरण खरीदे है जिनमें बायराक्तार टीबी–2 ड्रोन, टीआरजी–300 मिसाइल सिस्टम, कोबरा बख्तरबंद वाहन और बोरान होवित्जर तोपें शामिल है।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान तुर्किये के अंतात्या में हैं। कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज (सीओपी31) के शिखर सम्मेलन में उनका आना एक औपचारिकता और रस्मी–उत्फ्रत निभाने जैसा नहीं है। यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) का 31वां वार्षिक सत्र है। इस सम्मेलन की मेजबानी तुर्किये कर रहा है। सम्मेलन का मुख्य मकसद वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के प्रयासों की समीक्षा करना है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव जलवायु वार्ता में भारत के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे है। एर्दोआन से रिश्ते बेहतर होते, तो संभवतः प्रधानमंत्री मोदी वहां जाते।

तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन ने मंगलवार को तुर्किये के अंतात्या में बांग्लादेश से संबंधों को मजबूत करने के लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। लगभग 30 मिनट की बैठक में विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान और विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कोबीर भी मौजूद थे। विदेश सचिव सलाहुद्दीन नोमान चौधरी ने बताया कि बांग्लादेश की मुख्य प्राथमिकताओं में अनुकूलन के लिए वित्त जुटाना, नुकसान और क्षति के मुद्दों को संबोधित करना और विकसित देशों द्वारा जलवायु वित्त के लिए किए गए वादों को प्रभावी ढंग से लागू कराना शामिल है। विदेश सचिव ने बताया कि सम्मेलन के दौरान जूट उत्पादों के उपयोग और प्रचार–प्रसार को लेकर बांग्लादेश और तुर्किये के बीच एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर होने की भी उम्मीद है।

लेकिन, असली कार्ड अभी खोला नहीं गया है। क्या बांग्लादेश, 'मक्का जॉइंट टिफ्रॅंस एएमेंट' का हिस्सा बनना चाहता है? मक्का संयुक्त रक्षा समझौता सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच 7 अगस्त, 2026 को मक्का में हुआ एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौता है। नाटो के अनुच्छेद 5 की तर्ज पर किए गए समझौते पर गौर कीजिए, जिसके अनुसारकृतीनों देशों (सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये) में से किसी एक पर भी किया गया सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा।' मक्का समझौते के तहत तीनोंदेश आपस में खुफिया जानकारी साझा करेंगे, रक्षा उत्पादन और हथियारों के निर्माण में एक–दूसरे की मदद करेंगे और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त रूप से काम करेंगे।

मक्का पैक्ट में यदि बांग्लादेश शामिल होता है, तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की स्थिति में ढाका को इस्लामाबाद का पक्ष लेना होगा। यह भारत के लिए खतरे की घंटी है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने पिछले दिनों संसद में एक सवाल के जवाब में कहा था, 'हम इस पैक्ट को पॉजिटिव नजरिए से देखते हैं।' जब बांग्लादेशी नेताओं और



राजनयिकों के कमेंट्स के हवाले से पूछा गया, तो भारत ने कहा कि इस पैक्ट का उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा पर असर पड़ेगा और वह हालात पर करीब से नजर रख रहा है।

हालांकि, बांग्लादेश का इसमें शामिल होने का कोई भी कदम भारतीय सहयोग को मुश्किल बना सकता है। दोनों देशों के बीच 4,096 किलोमीटर की जमीनी सीमा है और उनके बीच मजबूत सांस्कृतिक–आर्थिक रिश्ते हैं। इन रिश्तों में कैसे दरार आए, इसका प्रयास एर्दोआन पाकिस्तान के सहयोग से करने लगे है। ढाका में नॉर्थ साउथ यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर नवीन मुर्शेद की धारणा है कि मक्का एग्रीमेंट के जरिए बांग्लादेश को अपने साथ जोड़ने में पाकिस्तान की दिलचस्पी भौगोलिक और राजनीतिक वजहों से है। उन्होंने कहा, 'भारत के लिए, सिलीगुड़ी कॉरिडोर और उसकी पूर्वी सीमा की सुरक्षा जरूरी बातें हैं। उन्होंने भारत के अपने उत्तर–पूर्वी राज्यों से पतले जमीनी संपर्क का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर में बांग्लादेश उसे घेरे हुए है। उन्होंने समझाया कि ऐसे हालात में बांग्लादेश को साफ तौर पर यह तय करना होगा कि वह इस अलायंस में शामिल होकर क्या करेगा और क्या नहीं करेगा। लेकिन, ढाका में रहने वाले पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर को बांग्लादेश के इस समझौते में शामिल होने का कोई कारण नहीं दिखता। उनकी टिप्पणी थी, 'बांग्लादेश पिछले 50 से 55 वर्षों में किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं हुआ है। जहां तक मेरा सवाल है, मेरा मानना है कि आज भी वह रुख बदला नहीं है।'

क्या वास्तव में पूर्व राजनयिक एम. हुमायूं कबीर जो सोच रहे हैं, वह सही है? ऐसा लगता नहीं। बांग्लादेश में राजनीतिक बदलावों के बाद, एर्दोआन प्रशासन ने ढाका के साथ अपने संबंधों को काफी मजबूत किया है। बांग्लादेश ने तुर्किये से सैन्य उपकरण खरीदे है जिनमें बायराक्तार टीबी–2 ड्रोन, टीआरजी–300 मिसाइल सिस्टम, कोबरा बख्तरबंद वाहन और बोरान होवित्जर तोपें शामिल हैं। इसके साथ ही, दोनों देश व्यापा उपकरणों के संयुक्त उत्पादन और औद्योगिक सहयोग पर भी काम कर रहे हैं। तुर्किये के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन और बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की अंताल्या में हुई मुलाकात को औपचारिक मत मानिए। इस दौरान उन्होंने रक्षा, व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री रहमान ने एर्दोआन को बांग्लादेश की आधिकारिक यात्रा के लिए भी आमंत्रित किया है। तुर्किये का लक्ष्य 2030 तक दुनिया के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में शामिल होना है। इसके लिए वह दक्षिण एशियाई साझेदारियों का उपयोग प्रमुख बाजारों और उत्पादन केंद्रों के रूप में कर रहा है। एक बात तो सुनिश्चित मानिए, एर्दोआन हिंद महासागर क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए इस्लामिक एकजुटता, 'ग्लोबल साउथ' (विकासशील देशों) के पक्ष वाले विमर्श और सुरक्षा सहायता का सहारा ले रहे है। इसके जरिए वे मुस्लिम जगत में मौजूद प्रतिद्वंद्वी शक्ति संरचनाओं को चुनौती भी देना चाहते हैं। तुर्किये ने रोहिंग्या शरणार्थी मुद्दे पर लगातार बांग्लादेश का समर्थन किया है। एर्दोआन ने कॉक्स बाजार में मानवीय सहायता पहुंचाई और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय तथा इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) में भी ढाका के रुख का समर्थन किया है। विश्लेषकों का मानना है कि एर्दोआन खुद को वैश्विक मुस्लिम समुदाय (उम्माह) के एक प्रमुख संरक्षक और नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। इसके लिए वे कश्मीर, रोहिंग्या संकट और फलस्तीन जैसे मुद्दों को संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रमुखता से उठाते हैं ताकि पारंपरिक खाड़ी देशों के समानांतर अपना प्रभाव बना सकें। दक्षिण एशिया के छोटे–छोटे देशों में राजनीतिक बदलावों के बीच तुर्किये ने बांग्लादेश और मालदीव के साथ अपने कूटनीतिक, मानवीय और रक्षा संबंधों को तेज किया है।

चुनौतियों से मुंह छिपाती सरकार

बुधवार सुबह सात बजे के करीब असम में एक बड़ी ट्रेन दुर्घटना होते–होते बची। गुवाहाटी के पास दिगारू रेलवे स्टेशन पर कोलकाता–सैरांग एक्सप्रेस पटरी से उतर गई, जिसमें कुछ यात्री घायल हुए हैं, हालांकि किसी की जान जाने की खबर नहीं है, जो बड़ी राहत की बात है। पहले जो जानकारी आई, उसके मुताबिक जनशताब्दी एक्सप्रेस को रास्ता देने के लिए जब इस ट्रेन को लूप लाइन पर रोका जा रहा था, तो लोको पायलट ट्रेन की गति नियंत्रित नहीं कर सके और ट्रेन डेड–एंड के बैरिकेड्स से टकराकर पटरी से उतर गई। लेकिन असल बात यह है कि ट्रेन का इमरजेंसी ब्रेक और ब्रेक प्रेशर सिस्टम (ए 9एएसए 9) फेल हो गया। सोशल मीडिया पर लोको पायलट के केबिन का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे ब्रेक काम न करने की बात कह रहे हैं। इस वीडियो में लोको पायलट को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि कुछ भी काम नहीं कर रहा है सिग्नल लाल है, लेकिन एसए 9 और ए9 काम नहीं कर रहे हैं।

शायद लोको पायलट ने इस आपात स्थिति में मोबाइल से रिकॉर्डिंग कर ली, ताकि सच्चाई सबके सामने आए। वर्ना रेलवे अधिकारियों ने तो बयान दे दिया था कि लोको पायलट ट्रेन की रफ्तार पर काबू नहीं रख सके, जिससे इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। कायदे से छोटी सी छोटी दुर्घटना होने पर भी रेलवे को बाकायदा जांच करवा कर ही किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए। इससे भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी, क्योंकि जांच में जो कारण सामने आएंगे, फिर उन पर सुधार का काम हो सकेगा। किसी भी व्यवस्था को ऐसे ही दुरुस्त बनाया जाता है। लेकिन भारत में अब काम के तरीके और जिम्मेदारी का अहसास दोनों बदल चुके हैं। एक तेज रफ्तार ट्रेन के इंजन समेत पांच डिब्बे उतर गए और बिना किसी जांच के ही अधिकारी ने सारा ठीकरा लोको पायलट पर फोड़ दिया था कि उसने रफ्तार पर काबू नहीं किया। अब उस वीडियो के जरिए वह दिल दहलाने वाला मंजर सामने आ गया, जिसमें वह ट्रेन की गति कम करने की कोशिश में सारे उपाय कर रहा है, लेकिन ब्रेक फेल हो चुके हैं। इस वीडियो को रेलवे कितनी मान्यता देता है और क्या अश्विनी वैष्णव अपने कार्यकाल में हुई एक और बड़ी नाकामी को स्वीकार करते है,



यह देखना होगा। पूर्व अनुभव तो यही बताते हैं कि रेल मंत्री इस दुर्घटना पर भी बेतुके बयान देकर बच जाएंगे। मीडिया भी इस खबर को महत्व नहीं देगा, क्योंकि किसी की जान इसमें नहीं गई है। वैसे अकेले इस दुर्घटना की बात नहीं है, जिन दुर्घटनाओं में ज्यादा लोग हताहत हुए हैं, उन में भी दोषियों पर क्या कार्रवाई हुई, यह पता करने की फिक्र मीडिया में कहां बाकी रह गई है। कई बड़े अखबार और चौनल तो उन्हीं खबरों पर दिन–भर जोर देते रहते हैं, जो भाजपा की तरफ से प्रेषित की जाती हैं। इस त्योहारी मौसम में स्टेशनों से लेकर ट्रेनों तक आम आदमी किन मुश्किलात से सफर कर रहा है, इस बारे में रिपोर्टिंग करना या प्राइम टाइम में बहस कराने का यह बिल्कुल माकूल वक्त था। लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती तो ऐसी कोई खबर, कोई बहस नहीं आती। सोशल मीडिया पर जरूर बहुत सारे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें लोग मवेशियों से भी बदतर हालात में जनरल बोगियों में ठूंसे हुए हैं, दरवाजे के हैंडल पकड़े आधे लटके, आधे खड़े हैं।

किसी के हाथ में छोटा बच्चा है, कोई बूढ़ा–लाचार है, कोई स्त्री इतनी भीड़ में असहज है। लेकिन फिर भी अपने घरों तक जाने के लिए यही सस्ता जरिया है, तो मजबूरी में लोग ऐसे असुविधाजनक और जोखिम भरे सफर करते हैं। दीपावली पर दीए और पटाखे जलाने में मशगूल सत्ताधारियों को आम जनता की यह तकलीफ नजर नहीं आती। ट्रेनों की दुर्दशा को अगर खबरों में लगातार महत्व मिले तो मोदी सरकार पर दबाव बन सकता है कि वह इस तरफ सुधार के लिए काम करे, न कि केवल रील बनाकर मंत्री महोदय की अपना प्रचार करते रहें। असम की ट्रेन दुर्घटना के बाद एक बुरी खबर कश्मीर से भी आई कि कुलगाम के मीर बाजार में सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला हुआ, जिसमें तीन जवान घायल हुए हैं। एक जवान के पेट में गोली लगी है, उनकी हालत गंभीर है, वहीं अन्य दो मामूली रूप से घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने दसियों बार आतंकवाद के खात्मे के दावे किए हैं। 2016 की नोटबंदी फिर 2019 में जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के वक्त मोदी ने आतंकवाद पर बड़े प्रहार का ही दावा किया था। अमित शाह भी यही कहते रहे। लेकिन फिर पुलवामा भी हुआ और पहलगाम भी।

और कुलगाम जैसी कुछ और आतंकी घटनाएं भी हुई हैं। चूंकि पुलवामा और पहलगाम में मरने वालों की संख्या ज्यादा थी तो सरकार को कच्चा–पक्का कुछ भी जवाब देने आना ही पड़ा, वर्ना इस सरकार की आदत यही बन चुकी है कि किसी भी तरह जवाबदेही से बचा जाए। कुलगाम के सीआरपीएफ कैंप पर अगर हमला करने का दुस्साहस आतंकियों ने किया है, तो इसका सीधा मतलब है कि आतंकवाद की चुनौती अभी बरकरार है। ■ सीमा सिंह

योग्यता को मिले पहली प्राथमिकता

प्रेमपाल शर्मा। हाल में बिहार सरकार ने शिक्षकों की भर्ती में डोमिसाइल को लेकर एक ऐसा नीतिगत फैसला लिया, जो चिंता पैदा करता है। 32 हजार शिक्षकों की भर्ती के लिए जारी विज्ञापन में रखी गई यह शर्त सवालों में है कि दूसरे राज्य की वे महिलाएं बिहार के डोमिसाइल (मूल निवासी होने का) और आरक्षण का लाभ नहीं ले सकेंगी, जिनकी शादी बिहार में हुई है। केवल उन्हीं महिलाओं को इसका लाभ मिल सकेगा, जिनके माता–पिता के पास बिहार का पता है। पति के बिहार में रहने का प्रमाणपत्र मान्य नहीं होगा। आखिर जो महिला बिहार की बहू बन चुकी है और अखंडता के लिए ऐसे दूरदर्शी प्रविधान किए, जिनकी वजह से महाद्वीप जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश को एक सूत्र में बांधे रखना संभव हुआ। इसी कारण ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल को यह भविष्यवाणी गलत साबित हुई कि भारत 50 वर्षों में टूट जाएगा। भारत को पूरी दुनिया में लोकतंत्र के एक माडल के रूप में देखा जाता है और इसकी सबसे बड़ी वजह यहां की विविधता है। भाषा, बोली, पंथ, संस्कृति, रीति–रिवाज और जीवनशैली की जितनी विविधता भारत में है, वह बहुत कम देशों में देखने को मिलती है। देश की व्यवस्थाओं में भी इस विविधता के बीच एकता को मजबूत करने का प्रयास दिखाई देता है।

आइएएस, आइपीएस और भारतीय वन सेवा जैसी अखिल भारतीय सेवाएं इसका उदाहरण हैं। केंद्रीय सेवाओं में भी अधिकारियों की नियुक्ति देशभर में होती है। राजनीतिक व्यवस्था में भी यह परंपरा देखने को मिलती है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का जन्म पंजाब में हुआ और उन्होंने दिल्ली में अध्यापन किया, जबकि वे असम से राज्यसभा के लिए चुने गए। इसी तरह इंदिरा गांधी का राजनीतिक आधार उत्तर प्रदेश और दिल्ली में रहा, लेकिन उन्होंने कर्नाटक और आंध्र प्रदेश से भी चुनाव लड़ा। ऐसे सैकड़ों उदाहरण मिल सकते हैं, जिन्हें राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से सकारात्मक माना जाता है।

पिछले कुछ दशकों में आइआइटी जैसे राष्ट्रीय संस्थानों ने भी इस एकता को नया आयाम दिया है। चेन्नई का छात्र दिल्ली, गुवाहाटी या कानपुर के आइआइटी में पढ़ता है, तो बिहार का छात्र चेन्नई में। इन संस्थानों में देश के सभी राज्यों के विद्यार्थी साथ पढ़ते हैं। यहां केवल योग्यता और मेधा महत्वपूर्ण होती है, डोमिसाइल नहीं। इसका दूरगामी सामाजिक प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थी दूसरे राज्यों के लोगों, उनकी संस्कृति और रीति–रिवाजों को समझते हैं तथा उनके साथ रहते हुए विविधता का सम्मान करना सीखते हैं। यही सामाजिक एकता राष्ट्रीय एकता की रीढ़ का काम करती है। इसलिए बिहार सरकार का ऐसा निर्णय चिंता पैदा करता है।

बिहार में उद्योग और रोजगार के अवसरों की कमी की वजह से वहां के लाखों लोग देश के विभिन्न राज्यों में काम करते हैं। ऐसे में यदि कल दूसरे राज्य भी ऐसा ही करने लगें, तो इसके क्या परिणाम होंगे? भाषा के नाम पर भी आए दिन विवाद खड़े किए जाते हैं। कुछ दिन पहले महाराष्ट्र में टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा की अनिवार्यता का मामला सामने आया था, जिसे किसी तरह शांत किया गया। कर्नाटक में कन्नड़ भाषा की अनिवार्यता को लेकर भी विभाजनकारी स्वर सुनाई देते हैं। तमिलनाडु की राजनीति में भी पिछले 70 वर्षों से उत्तर भारतीय भाषाओं के विरोध का स्वर प्रमुख रहा है।

पिछले दिनों कर्नाटक सरकार का यह फैसला भी गले नहीं उतरा कि बेंगलुरु मेट्रो में सभी सूचनाएं केवल अंग्रेजी और कन्नड़ में ही प्रदर्शित की जाएंगी। बेंगलुरु में देश के सभी राज्यों के लोग रहते हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जो हिंदी या हिंदुस्तानी समझते हैं। ऐसे में केवल अंग्रेजी और कन्नड़ में सूचनाएं उपलब्ध होने से दूसरे राज्यों से आए लोगों, विशेषकर मजदूर वर्ग को परेशानी हो सकती है। जब हिंदी को संविधान में राजभाषा का दर्जा दिया गया है, तो कर्नाटक सरकार ऐसी नीति क्यों अपना रही है? दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद, चेन्नई और पुणे जैसे हमारे महानगर अपनी महानगरीय संस्कृति के लिए पहचाने जाते हैं।

सर्दियों में गीजर इस्तेमाल करते समय इन सुरक्षा बातों का रखें ध्यान

सबसे सुरक्षित तरीका है गैस गीजर को बाथरूम के बाहर किसी हवादार जगह पर लगवाना। इसके अलावा, नहाते समय खिड़की थोड़ी खुली रखें या एग्जॉस्ट फैन चलाएं। गैस गीजर हो या बिजली वाला, दोनों के अपने खतरे हैं, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

एलपीजी से चलने वाला गीजर जलने के लिए हवा से ऑक्सीजन लेता है। छोटे, बंद बाथरूम में ऑक्सीजन कम होते ही गैस पूरी तरह नहीं जलती और कार्बन मोनोऑक्साइड बनने लगती है। इस गैस का न रंग होता है, न गंध। नहाने वाले को पता ही नहीं चलता।

क्या करें– सबसे सुरक्षित तरीका है गैस गीजर को बाथरूम के बाहर किसी हवादार जगह पर लगवाना। इसके अलावा, नहाते समय खिड़की थोड़ी खुली रखें या एग्जॉस्ट फैन चलाएं। साथ ही, नहाने से पहले पानी गर्म करके गीजर बंद कर दें। ध्यान देकि बाथरूम का दरवाजा अंदर से बंद करके देर तक न नहाएं। बाथरूम में पंखानी और बिजली साथ होते हैं, यही असली जोखिम है। गीली त्वचा सूखी त्वचा के मुकाबले करंट को कहीं ज्यादा आसानी से गुजरने देती है।

क्या करें– सबसे पहले अर्थिंग पर ध्यान दें। गीजर का वायर तीन हिस्सा सही अर्थिंग से जुड़ा होना चाहिए। इसके लिए, इलेक्ट्रीशियन से एक बार जरूर जांच करवाएं। दूसरा आरसीसीबी का इस्तेमाल करें। यह छोटा–सा उपकरण मेन बोर्ड में लगता है और करंट लीक होते ही बिजली काट देता है। हो सके तो गीजर का स्विच बाथरूम के बाहर रखवाएं ताकि गीले हाथ से छूना ही न पड़े। पानी गर्म होते ही गीजर बंद करके नहाएं। इससे बिल भी कम आएगा।

सर्दी शुरू होते ही करवाएं सर्विस महीनों बंद पड़ा गीजर सीधे चालू करने से पहले टेक्नीशियन से जांच करवा लें। इन संकेतों को हल्के में न लें–

गीजर से जलने की गंध, चिंगारी या अजीब आवाज आना।

नीचे से पानी टपकना या टंकी पर जंग दिखना।

नल से मटमैला या लाल–भूरा पानी आना। इनमें से कोई भी बात दिखे, तो गीजर बंद करके पहले मरम्मत करवाएं। ■ प्रभात

ईसीसीई एजुकेटर के द्वितीय चरण में 133 चयनितों को बीएसए ने वितरित किए नियुक्तिपत्र

लोक हस्तक्षेप समाचार

देवरिया। जनपद में समग्र शिक्षा एवं निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत ईसीसीई एजुकेटर के द्वितीय चरण की चयन प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस चरण में कुल 133 अभ्यर्थियों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राम जियावन मौर्य ने विद्यालय आवंटित करते हुए अपने हाथों से नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

गत 5 नवंबर को डायट, रामपुर कारखाना में चयनित अभ्यर्थियों को उनकी इच्छा के अनुसार रिक्त पदों के सापेक्ष विद्यालयों का ऑनलाइन विकल्प चयन कराया गया था। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई तथा अभ्यर्थियों द्वारा चुने गए विद्यालयों के अनुरूप ही उन्हें आवंटन किया गया। नियुक्ति पत्र प्राप्त होने पर चयनित अभ्यर्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करें तथा बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जनपदीय चयन समिति एवं जिलाधिकारी के अनुमोदन के उपरांत चयन प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। ईसीसीई एजुकेटर की निर्धारित लिखित परीक्षा में कुल 141 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए थे। इसके सापेक्ष विद्यालय आवंटन प्रक्रिया में 133 चयनित अभ्यर्थियों ने अपनी सुविधानुसार विद्यालय का विकल्प चुना। इन सभी 133 चयनित ईसीसीई एजुकेटरों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने चयनित अभ्यर्थियों को प्रातः 10रु30 बजे शपथ पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति सहित उपस्थित होने के निर्देश दिए थे। इसके क्रम में उन्होंने अपने कार्यालय कक्ष में सभी चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए तथा तत्काल कार्यभार ग्रहण कर शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में योगदान देने को कहा।ईसीसीई एजुकेटर की नियुक्ति 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ECCE) तथा निपुण स्तर को बढ़ावा देने के लिए ऐसे परिषदीय विद्यालयों में की गई है, जहां विद्यालय के साथ आंगनबाड़ी केंद्र भी संचालित हैं।



करंट से प्राइवेट कर्मचारी की मौत

आगरा,संवाददाता। पिनाहट थाना क्षेत्र में प्राइवेट विद्युत कर्मचारी की मौत के बाद ग्रामीणों और परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने नदरगवां तिराहे पर शव रखकर जाम लगा दिया। विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर हंगामा किया। परिजनों ने विभाग के सविदा कर्मी और अन्य कर्मचारियों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत लाइन पर काम करने के लिए शटडाउन लिया गया था।

छात्रवृत्ति आवेदन के लिए फिर बढ़ी तिथि शासन ने जारी की संशोधित समय–सारणी

लोक हस्तक्षेप समाचार

देवरिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2026–27 में कक्षा 9 से 12 तक के सभी वर्गों के छात्र–छात्राओं के छात्रवृत्ति आवेदन के लिए शासन स्तर से संशोधित समय–सारणी जारी की गई है।

उसके अनुसार, नवीन छात्रों के ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन की अंतिम तिथि 17 नवंबर, जबकि आवेदन के नवीनीकरण और हार्डकॉपी विद्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर निर्धारित की गई है। विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटाबेस में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन 19 नवंबर तक किया जा सकेगा।वहीं, छात्रों के प्रान्तांक, पूर्णांक, उपस्थिति दर्ज करने तथा आवेदनों को बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद ऑनलाइन अग्रसारित करने की अंतिम तिथि 23 नवंबर निर्धारित की गई है।जिला समाज कल्याण अधिकारी ने छात्रों से समय से आवेदन प्रक्रिया पूरी करने तथा विद्यालयों से प्राप्त आवेदनों का तत्काल सत्यापन कर अग्रसारित करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी दशा में विद्यालय के लॉगिन पर आवेदन लंबित न रखे जाएं।

निर्माणाधीन सड़कों एवं बाईपास के कार्यों में तेजी लाएं अधिकारी : डीएम

लोक हस्तक्षेप समाचार

देवरिया। जिलाधिकारी मनीष कुमार गुप्ता ने गुरुवार सुबह सभागार में रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी), रेलवे अंडरपास (आरयूबी) तथा विभिन्न विभागों के अंतर्गत निर्माणाधीन एवं स्वीकृत मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण, मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्यों की समीक्षा की। एनएच, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एवं ग्रामीण अभियंत्रण विभाग (आरईडी) के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कराए जाएं और निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य करने तथा अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूमि संबंधी समस्याओं, विभागीय समन्वय एवं अन्य बाधाओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराने को कहा, ताकि निर्माण कार्य अनावश्यक रूप से प्रभावित न हों। साथ ही निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने और कार्यों की प्रगति से अवगत कराने के निर्देश भी दिए।मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन प्रेम नारायण सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व पंकज प्रकाश राठौर, परियोजना निदेशक एमओआरटीएच गोरखपुर, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गोरखपुर राजमार्ग खंड गोरखपुर, उप निदेशक मंडी गोरखपुर, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग देवरिया तथा अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग देवरिया सहित संबंधित अधिकारी गूगल मीट के माध्यम से जुड़े रहे।



अश्वीन चौरसिया मेमोरियल अंडर–14 क्रिकेट चैंपियनशिप 26 नवंबर से शुरू

लोक हस्तक्षेप समाचार

सलेमपुर, देवरिया। स्व. अश्वीन चौरसिया की स्मृति में अश्वीन चौरसिया मेमोरियल अंडर–14 क्रिकेट चौंपियनशिप 2026 का आयोजन किया जा रहा है। टूर्नामेंट का शुभारंभ 26 नवंबर 2026 को बापू इंटर कॉलेज, सलेमपुर के मैदान पर होगा।इस चौंपियनशिप का आयोजन सहोदरा देवी क्रिकेट एकेडमी सलेमपुर के सौजन्य से किया जा रहा है। टूर्नामेंट में अंडर–14 वर्ग के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को मंच देने और स्व. अश्वीन चौरसिया की स्मृति को जीवित रखने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। टूर्नामेंट के संयोजक मंडल में बापू इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्यसंतोष चौरसिया, आर. एल. एकेडमी के प्रबंधक संदीप श्रीवास्तव, राजीव मिश्रा मीडिया प्रभारी विधानसभा सलेमपुर, राकेश गुप्ता नीशू स्पोर्ट्स जोन सलेमपुर, रवि मिश्रा मीडिया प्रभारी पूर्व सांसद सलेमपुर, अभिषेक मिश्रा आईटी सेल संयोजक सलेमपुर, संदीप सिंह आईटी सेल सह–संयोजक सलेमपुर और धर्मेंद्र सिंह रितिक बिल्डिंग मटेरियल रामपुर शामिल हैं। टीमों का मार्गदर्शन कोच शैलेंद्र प्रताप सिंह करेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी और टीमें कोच शैलेंद्र प्रताप सिंह से संपर्क कर सकते हैं। आयोजकों ने क्षेत्र के खेल प्रेमियों से बड़ी संख्या में पहुंचकर युवा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

छठ घाट की सफाई शुरू,सरयू नहर किनारे बेदियों की रंगाई-पुताई जारी

बहराइच,संवाददाता। जिले की मोतीपुर तहसील के चफरिया गांव में छठ महापर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रद्धालु सरयू नहर किनारे बने छठ पूजा घाट की सफाई कर रहे हैं। पूजा स्थल पर बनी बेदियों की रंगाई–पुताई भी शुरू हो गई है। ग्रामीणों के साथ ग्राम प्रधान भी तैयारियों में सहयोग कर रहे हैं। रामनरेश, शिवपूजन, चौथी, संकटा प्रसाद, गंगा प्रसाद, मालती, दुर्गावती, कलावती, माया और सोहनी देवी सहित ग्रामीणों ने बताया कि सभी मिलकर घाट की सफाई कर रहे हैं। उनके मुताबिक, छठ महापर्व की शुरुआत रविवार से होगी। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू नहर किनारे बने घाट पर पहुंचकर सूर्यदेव को अर्घ्य देंगे और परिवार की सुख–समृद्धि की कामना करेंगे। पर्व के दौरान सुरक्षा के लिए छठ पूजा स्थल पर पुलिस भी मौजूद रहेगी।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया गया

बस्ती,संवाददाता। भानपुर तहसील समागार में गुरुवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसीलदार पंकज कुमार ने की। तहसीलदार पंकज गुप्ता और अधिकार मित्र प्रशांत पांड्ये ने लोगों को कानूनी अधिकारों और विधिक सहायता के बारे में बताया। तहसीलदार,सचिव ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस की शुरुआत 1995 में सुप्रीम कोर्ट की पहल पर हुई थी। यह दिवस हर साल मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गरीब और वंचित वर्गों तक न्याय पहुंचाना और लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर में पानी की बर्बादी, वर्षों पुरानी टंकी से लगातार टपक रहा पानी

सरकार चला रही जल संरक्षण अभियान, लेकिन अस्पताल परिसर में प्रतिदिन बर्बाद हो रहा हजारों लीटर पानी

लोक हस्तक्षेप समाचार

सलेमपुर, देवरिया। एक तरफ सरकार जल संरक्षण को लेकर लगातार अभियान चला रही है और लोगों को पानी की एक–एक बूंद बचाने के लिए जागरूक कर रही है, वहीं दूसरी तरफ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सलेमपुर में वर्षों पुरानी बनी पानी की टंकी से लगातार पानी टपकने के कारण प्रतिदिन हजारों लीटर पानी बर्बाद होने की बात सामने आ रही है।

अस्पताल परिसर में स्थित पानी की टंकी की हालत तस्वीरों में भी साफ दिखाई दे रही है। टंकी और उसके सहारे बने ढांचे पर काफी समय से रखरखाव नहीं होने के निशान नजर आ रहे हैं। टंकी से पानी का रिसाव होने के कारण लगातार स्वच्छ जल व्यर्थ बह रहा है। यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो पानी की बर्बादी के साथ–साथ संरचना की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े हो सकते हैं।गौरतलब है कि गर्मी हो या सामान्य दिन, पानी की आवश्यकता हर जगह बनी रहती है। ऐसे में एक सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में इस तरह पानी की बर्बादी होना चिंता का विषय है। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग को इस समस्या पर तत्काल ध्यान देना चाहिए।



अब सवाल यह है कि जल संरक्षण का संदेश देने वाले सरकारी विभाग अपने ही परिसर में पानी की बर्बादी रोकने के लिए कब कदम उठाएंगे? जरूरत है कि स्वास्थ्य विभाग और संबंधित जिम्मेदार अधिकारी टंकी का तकनीकी निरीक्षण कराकर तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करें, ताकि पानी की बर्बादी रोकी जा सके और किसी संभावित दुर्घटना से भी बचा जा सके।

मझौली राज के शुभम कुमार ने बीएचयू के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया शोध–पत्र, संस्कृत में रुद्राष्टकम् पाठ से भी मोहा मन

वैज्ञानिक शोध और सांस्कृतिक प्रतिभा का दिखा अनूठा संगम, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार बढ़ा रहे क्षेत्र का गौरव

लोक हस्तक्षेप समाचार

सलेमपुर, देवरिया। जनपद के ऐतिहासिक कस्बा मझौली राज के मेन चौक निवासी एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के वनस्पति विज्ञान विभाग (सीएमपी इकाई) के एमएससी छात्र शुभम कुमार ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध–पत्र प्रस्तुत कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। एक से तीन नवंबर 2026 तक बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान (आईएमएस) के अंतर्गत आयुर्वेद संकाय के द्रव्यगुण विभाग द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में देश–विदेश के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने प्रतिभाग किया।

हर्बल औषधि अनुसंधान में हालिया प्रगति विषय पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में शुभम कुमार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं बायोइन्फॉर्मेटिक्स के औषधीय पादप विज्ञान में उपयोग पर अपना शोध समीक्षा–पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से औषधीय पौधों की जैव विविधता का अध्ययन, उपयोगी पादप रसायनों की खोज, हर्बल औषधियों का विकास और संकटग्रस्त वनस्पतियों का संरक्षण किस प्रकार अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उनके शोध विषय और मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए उन्हें प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। शुभम कुमार ने वैज्ञानिक शोध के साथ अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का भी परिचय दिया। सम्मेलन की सांस्कृतिक संध्या में उन्होंने विशुद्ध संस्कृत भाषा में भगवान शिव की स्तुति रुरुद्राष्टकम् का सस्वर एवं भावपूर्ण पाठ किया। उनके संस्कृत उच्चारण और प्रभावशाली प्रस्तुति ने समागार में उपस्थित अतिथियों और शोधार्थियों का ध्यान आकर्षित किया।गौरतलब है कि शुभम कुमार इससे पहले 28 एवं 29 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित किरोड़ीमल कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन मेंभी अपना शोध समीक्षा–पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं। लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों पर सहभागिता से उन्होंने अपनी अकादमिक प्रतिभा का परिचय दिया है। शुभम की इस उपलब्धि से मझौली राज सहित पूरे जनपद में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के शिक्षाविदों, शुभचिंतकों और लोगों ने उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।



दस साल के संघर्ष के बाद ग्रेटर नोएडा वेस्ट को मिली मेट्रो की सौगात, नेफोवा ने जताई खुशी

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो कनेक्टिविटी की वर्षों पुरानी मांग को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद क्षेत्र के निवासियों में खुशी की लहर है। इस उपलब्धि पर सामाजिक संस्था नेफोवा ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसे लाखों निवासियों के लंबे संघर्ष और सामूहिक प्रयासों की जीत बताया है।नेफोवा पिछले दस वर्षों से अधिक समय से ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो चलाने की मांग को लेकर लगातार प्रयासरत रही है। संस्था का कहना है कि मेट्रो केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि तेजी से विकसित हो रहे इस क्षेत्र के लाखों निवासियों की बुनियादी जरूरत है। मेट्रो की मांग को लेकर संस्था ने कई बार प्रदर्शन और अभियान चलाए। इसी वर्ष सेक्टर–52 मेट्रो स्टेशन के अंतिम पिलर के पास रस्सी खींचकर सांकेतिक प्रदर्शन किया गया था। इसके माध्यम से केंद्र सरकार तक क्षेत्र के निवासियों की आवाज पहुंचाने का प्रयास किया गया। इसके अलावा हजारों निवासियों के हस्ताक्षर जुटाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और प्रधानमंत्री कार्यालय को ज्ञापन भेजकर परियोजना को जल्द मंजूरी देने की मांग की गई थी। नेफोवा फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट से मेट्रो परियोजना को मंजूरी मिलना ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सभी निवासियों के लिए बेहद खुशी और राहत की खबर है। यह उन सभी लोगों के निरंतर संघर्ष का परिणाम है, जिन्होंने वर्षों तक इस मांग को जीवित रखा और इसके लिए आवाज उठाई। उन्होंने इस अभियान में सहयोग करने वाले सभी निवासियों सामाजिक संगठनों और सहयोगियों का आभार जताया।



मजदूरों के कथित शोषण के विरोध में कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

आगरा,संवाददाता। ताज नगरी में मजदूरों के कथित शोषण के विरोध में कांग्रेस ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में मजदूरों के साथ पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जूता कंपनियों के प्रबंधनों के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनियां मजदूरों से तय समय से ज्यादा काम करा रही हैं, लेकिन उन्हें निर्धारित वेतन और जरूरी सुविधाएं नहीं दे रही हैं। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि इस दौरान कार्रवाई नहीं हुई और मजदूरों को पीएफ–ईएसआई का लाभ नहीं मिला तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि जूता कंपनियों में मजदूरों से 8 घंटे की जगह 12 घंटे या उससे अधिक काम कराया जा रहा है। इसके बदले उन्हें सिर्फ 300 रुपए दिए जाते हैं, जबकि मजदूरों को 800 रुपए प्रतिदिन मिलना चाहिए। आरोप है कि कंपनियां ओवरटाइम भी कराती हैं, लेकिन उसका भुगतान नहीं करतीं। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि आगरा की कई जूता कंपनियों में 2 हजार से ज्यादा मजदूर काम करते हैं, लेकिन इनमें से कई कंपनियां रजिस्टर्ड नहीं हैं। ऐसे में कोई दुर्घटना होने पर कंपनी मजदूरों से अपना संबंध होने से ही इनकार कर देती है।

नेताओं ने आरोप लगाया कि इन कंपनियों में काम करने वाले मजदूरों को सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम और दुर्घटना होने पर मुआवजा भी नहीं मिलता। प्रदर्शन में शामिल मजदूरों ने बताया कि उन्हें पीएफ और ईएसआई की सुविधा नहीं मिल रही है। कई साल तक काम करने के बावजूद उनका कोई रिकॉर्ड नहीं रखा जाता। बीमार पड़ने पर इलाज का खर्च भी खुद उठाना पड़ता है।

मजदूरों ने कंपनियों पर मनमानी करने का आरोप लगाया।

रोटावेटर की चपेट में आने से बच्चे की मौत

बस्ती,संवाददाता। मुंडेरवा थाना क्षेत्र के दतुआखोर गांव में गुरुवार सुबह रोटावेटर की चपेट में आने से सात वर्षीय अंश चौहान की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में पुलिस तैनात है। शेषनाथ और उसके परिवार के घर से फरार होने की चर्चा है, जिसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक, अंश गुरुवार सुबह करीब 10.30 बजे शौच के लिए गया था। इसी दौरान खेत में ट्रैक्टर से रोटावेटर चलाया जा रहा था और अंश उसकी चपेट में आ गया। ट्रैक्टर चालक शेषनाथ, धर्मेंद्र उर्फ खुरचुन का बेटा और दतुआखोर का निवासी है। घटना के बाद शेषनाथ, उसके पिता धर्मेंद्र उर्फ खुरचुन और परिवार के लोगों के घर से फरार होने की चर्चा है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक 07.12.2026 को 15.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल ऑफर्स स्वीकार नहीं किये जायेंगे, यदि कोई मैनुअल ऑफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	01162026 dated 11.11.2026	
2	निविदा संख्या	10 Sr.DEN-II/LKO/2026-27, 20 Sr.DEN-II/LKO/2026-27, 21-Sr.DEN-II/LKO/2026-27, 22-Sr.DEN-II/LKO/2026-27 and 23-Sr.DEN-II/LKO/2026-27	
3	कार्य का नाम	For G.No. 1	रेलवे सहायक मंडल अभियंता/एमबीडीपी के अधीन SSE/P-Way/MBDP सेक्शन में विभिन्न प्रकार के रेल पथ अनुरक्षण कार्य।
		For S.No. 2	सहायक मंडल अभियंता/एमबीडीपी के अधीन SSE/P-Way/JNH सेक्शन में विभिन्न प्रकार के रेल पथ अनुरक्षण कार्य।
		For S.No. 3	सहायक मंडल अभियंता/एमबीडीपी के अधीन SSE/P-Way/BOY सेक्शन में विभिन्न प्रकार के रेल पथ अनुरक्षण कार्य।
		For S.No. 4	सहायक मंडल अभियंता/आरबीएल के अधीन SSE/P-Way/RBL सेक्शन में विभिन्न प्रकार के रेल पथ अनुरक्षण कार्य।
		For G.No. 5	सहायक मंडल अभियंता/आरबीएल के अधीन SSE/P-Way/BCN सेक्शन में विभिन्न प्रकार के रेल पथ अनुरक्षण कार्य।
4	अनुमानित लागत	For S.No. 1	Rs. 75,80,181.88
		For S.No. 2	Rs. 68,40,683.75
		For S.No. 3	Rs. 1,02,28,224.87
		For S.No. 4	Rs. 1,24,99,030.42
		For S.No. 5	Rs. 1,24,99,287.75
5	धरोहर राशि	For S.No. 1	Rs. 1,51,000.00
		For S.No. 2	Rs. 1,36,800.00
		For S.No. 3	Rs. 2,04,600.00
		For S.No. 4	Rs. 2,50,000.00
		For S.No. 5	Rs. 2,50,000.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 06 माह।	
7	निविदा डालने का प्रारंभ	23.11.2026	
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	07.12.2026	
9	वेबसाईट	www.ireps.gov.in	

नोट:– निविदा संबंधी अन्य विस्तृत नियम/शर्तें वेबसाईट पर उपलब्ध हैं। 3955/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वित्त अधिकार/डीआरडी/हजरतगंज, गंडक रेल प्रबंधक, कार्यालय लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद खुली ई निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई निविदा सूचना संख्या	टीआरडी–21–सीपीओ–ई/ई–लखनऊ–26
2.	कार्य का नाम	लखनऊ/NR किलोमन के अंतर्गत UTR और DLN में 04 नंबर 132/27KV, 21.0 MVA सिंगल फेज ट्रैक्शन पावर ट्रांसफॉर्मर (मेक– EMCU) तथा BHPI में 01 नंबर 220/27KV, 21.6 MVA सिंगल फेज ट्रैक्शन पावर ट्रांसफॉर्मर (मेक– ABB) की पीरियोडिकल ओवरहॉलिंग (POH) का कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रू. 1,59,50,600.33
4.	बयाना राशि	रू. 3,10,000/-
5.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह
6.	निविदा फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 08.12.2026 को 15.00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15.00 बजे के बाद।
7.	प्रस्ताव की वैधता	निविदा खुलने की तिथि से 90 दिन।
8.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।
9.	पात्रता मापदण्ड	निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नहीं है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नहीं करता: 1. निविदाकर्ता का न्यूनतम औसत वार्षिक संनिदात्मक कारोबार वी/एन या "वी" जो भी कम हो होना चाहिए, जहां वी = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में एन = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गई है। 2. निविदाकर्ता पिछले सात वित्तीय वर्ष (निविदा के आमंत्रित करने के एक महीने पहले के अनिम दिन तक); "कम से कम एक समान प्रत्येक तीन कार्य का 30 प्रतिशत न्यूनतम वित्तीयिक राशि का कार्य किया हो" या "कम से कम एक रागान प्रत्येक दो कार्य का 40 प्रतिशत न्यूनतम वित्तीयित राशि का कार्य किया हो" या "कम से कम एक चमान एक कार्य का 60 प्रतिशत न्यूनतम वित्तीयित राशि का कार्य किया हो। एक समान कार्य की परिभाषा सीपीडब्ल्यू Only PSM or BSNO or CORE approved firms are eligible to participate. 3. वित्तिकाकर्ता अपनी ऑफर के साथ बिजली के ठेकेदारों के वैध लाइसेंस की प्रमाणित छायाप्रति अवश्य जमा करें।

नोट:– इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज/खारीज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं०: टीआरडी–21–सीनि०वी०ई०ई०–लखनऊ–26 दिनांक: 11.11.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3946/26



स्टूडेंट ऑफ द ईयरः आफ्टर डार्क ने उड़ाई शनाया कपूर की नींद, बोलीं– बड़ी जिम्मेदारी है

स्टूडेंट ऑफ द ईयररू आफ्टर डार्क में अभिनेत्री शनाया कपूर का नया अंदाज नजर आने वाला है, जिसको लेकर प्रशंसक काफी उत्सुक हैं। ये एक मर्डर मिस्ट्री वाली वेब सीरीज है, जिसने शनाया की नींद उड़ा दी है। शनाया ने इस फ्रेंचाइजी की कमान संभालने से जुड़ी घबराहट के बारे में बताया। उनके मुताबिक, ये एक बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे करण जोहर ने उन्हें सौंपा है। शनाया ने कहा, ये एक ऐसी जिम्मेदारी है, जिसे हम सभी निभा रहे हैं। ये जिम्मेदारी इसलिए है, क्योंकि करण सर ने हमें उनके प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का मौका दिया। मेरे लिए, ये दबाव से कहीं ज्यादा इस बात का एहसास था कि हम किसी बहुत खास चीज को आगे ले जा रहे हैं। हम इसे अपनी पीढ़ी, यानी जेन–जेड की आवाज देकर, अपना बना रहे हैं। बेशक, इसमें उत्साह है, लेकिन मेरे मन में काफी घबराहट भी है। शनाया ने आगे कहा, ये एक ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें पहली बार ऐसा हो रहा है कि मैं बिल्कुल भी सो नहीं पा रही हूं। मैं उम्मीद लगाए बैठी हूं और सब कुछ अच्छा होने की कामना कर रही हूं, जैसा कि मैं अपने सभी प्रोजेक्ट्स के लिए करती हूं। शनाया बताती हैं कि वह शो को लेकर इतनी उत्साहित हैं कि उनके फोन में एक खास ऐप है, जो शो के रिलीज होने तक की उलटी गिनती दिखाता है।

रूखे बालों से परेशान हैं? इन प्राकृतिक तरीकों से पाएं छुटकारा

अगर आपके बाल रूखे और बेजान हो गए हैं तो आपको घुंघराले बालों के लिए खास देखभाल की जरूरत है। यह लेख आपको कुछ प्राकृतिक और सरल तरीकों की जानकारी देगा, जिन्हें अपनाकर आप अपने घुंघराले बालों को नमी दे सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं। इन उपायों से आपके बाल न केवल मुलायम बनेंगे, बल्कि उनमें चमक भी आएगी और वे टूटने से भी बचेंगे। प्राकृतिक उपायों से आप अपने बालों की देखभाल कर सकते हैं।

नारियल तेल का करें इस्तेमाल

नारियल तेल घुंघराले बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह बालों को गहराई से पोषण देता है और उन्हें मुलायम बनाता है। रात को सोने से पहले नारियल तेल को हल्का गर्म करके अपने सिर पर लगाएं और अच्छे से मालिश करें। सुबह उठकर बालों को शैंपू से धो लें। इससे आपके बाल नमी से भरपूर रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी। नियमित रूप से इस उपाय का इस्तेमाल करें ताकि आपके बाल स्वस्थ रहें।

एवोकाडो मास्क लगाएं

एवोकाडो में विटामिन और



जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो बालों को मजबूती देते हैं।

एक पका हुआ एवोकाडो लेकर उसे मैश कर लें और उसमें थोड़ा सा शहद मिलाएं। इस मिश्रण को अपने सिर पर लगाकर 30 मिनट तक छोड़ दें, फिर शैंपू से धो लें। यह मास्क आपके बालों को गहराई से पोषण देगा और उन्हें मुलायम बनाएगा। एवोकाडो के नियमित उपयोग से आपके बालों में नमी बनी रहेगी और वे टूटने से बचेंगे।

एलोवेरा जेल का करें उपयोग

एलोवेरा जेल बालों की जड़ों को मजबूत करता है और उन्हें नमी प्रदान करता है।

एक कप पानी में दो चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर इसे अपने सिर पर स्प्रे करें, फिर हल्के हाथों से मालिश करें। 15 मिनट बाद बालों को धो लें। यह उपाय आपके बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा और उन्हें टूटने से बचाएगा। एलोवेरा जेल का नियमित उपयोग आपके बालों को गहराई से पोषण देगा और उन्हें मुलायम बनाएगा।

शहद और जैतून के तेल का मिश्रण लगाएं

शहद प्राकृतिक नमी देने वाला होता है जबकि जैतून का तेल बालों को पोषण देता है। दोनों को मिलाकर अपने सिर पर लगाएं और 20 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद बालों को शैंपू से धो लें। यह मिश्रण आपके बालों को मुलायम बनाएगा और उनमें चमक लाएगा। नियमित रूप से इस उपाय का उपयोग करने से आपके बाल स्वस्थ रहेंगे और टूटने की संभावना कम होगी। इस उपाय से आपके बालों की देखभाल भी होगी।

गुनगुने पानी से नहाएं

गुनगुना पानी बालों की जड़ों तक नमी पहुंचाता है, जिससे वे स्वस्थ रहते हैं। ठंडे या गर्म पानी का उपयोग करने से बचें क्योंकि इससे बाल रूखे हो सकते हैं। गुनगुने पानी से नहाने से बालों में नमी बनी रहती है और वे टूटने से बचते हैं। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप अपने घुंघराले बालों की प्राकृतिक देखभाल कर सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

रामायण का दुनियाभर में डंका, 2 दिन में 220 करोड़ रुपये के पार पहुंची कमाई

रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश स्टारर फिल्म रामायण इन दिनों काफी चर्चा में है. फिल्म की रिलीज को लेकर काफी बज बना हुआ है. ये एक के बाद एक रिकॉर्ड्स भी बॉक्स ऑफिस पर बना रही है. फिल्म जबसे सिनेमाघरों में आई है तभी से ये छाई हुई है. इसे दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पांस मिल रहा है. स्ट्रॉन्ग वर्ड ऑफ माउथ का फायदा फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर मिल रहा है. ऐसे में इसने अब दुनियाभर में अपना तांडव दिखाया है. नितेश तिवारी की रामायण की रिलीज को तीन दिनों का वक्त हो गया है और फिल्म अपने पहले शनिवार को भी बंपर कमाई कर रही है और माना जा रहा है कि ये तीसरे दिन फर्स्ट डे का रिकॉर्ड तोड़ सकती है. खैर, फिल्म ने दो दिनों में ही वर्ल्डवाइड 200 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है. चलिए बताते हैं कलेक्शन. रामायण को सिनेमाघरों में 5 नवंबर, 2026 को रिलीज किया गया था. फिल्म को लेकर काफी बज था और कोईमोई के अनुसार, इसका इंडिया नेट कलेक्शन 65 करोड़ था. जबकि फिल्म ने वर्ल्डवाइड पहले दिन 127.7 करोड़ का बिजनेस किया था. फिल्म ने ग्लोबल मार्केट में 100 करोड़ की ओपनिंग के साथ ही बड़ा धमाका कर दिया था. रामायण की दुनियाभर में कुल कमाई 221.05 करोड़ रुपये और भारत में 134.8 करोड़ रुपये हो गई है। घरेलू कमाई में फिल्म के हिंदी वर्जन ने सबसे ज्यादा योगदान दिया। इसने दूसरे दिन 19,859 शो से 35.5 करोड़ रुपये कमाए, वहीं कन्नड़ वर्जन ने 904 शो से 5.15 करोड़ रुपये और तेलुगू वर्जन ने 1,530 शो से 4.75 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म ने 2 दिनों में विदेशों से 86.25 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही रामायण अब रणबीर कपूर के करियर की छठी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन चुकी है. कोईमोई के अनुसार, इसने बर्फी, तू झूठी मैं मक्कार और राजनीति समेत तमाशा का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है. गौरतलब है कि नितेश तिवारी की फिल्म रामायण को लेकर अच्छा खासा बज बना हुआ है. कोईमोई में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म को लेकर माना जा रहा है कि ये तीसरे दिन यानी कि पहले सैटरडे को बॉक्स ऑफिस पर 70 करोड़ का सॉलिड कलेक्शन कर सकती है, अगर ऐसा होता है तो ये फर्स्ट से भी ज्यादा होने वाला है।

करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन की दायरा नेटफ्लिक्स पर मचाएगी धमाल, सामने आई रिलीज की तारीख

निर्देशक मेघना गुलजार की अपराध–कहानी पर आधारित फिल्म दायरा अब सिनेमाघरों के बाद ओटीटी मंच पर दस्तक देने जा रही है। करीना कपूर और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत यह फिल्म 13 नवंबर से नेटफिलक्स पर दर्शकों के लिए उपलब्ध होगी। फिल्म 18 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन इसे दर्शकों की अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। अब देखना होगा कि डिजिटल मंच पर फिल्म को कितनी सफलता मिलती है। फिल्म में करीना कपूर ने पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अजूनी कोहली की भूमिका निभाई है, जबकि पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस उपायुक्त रमन कुमार के किरदार में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक सनसनीखेज दुष्कर्म और हत्या के मामले के इर्द–गिर्द बुनी गई है। दायरा में



दोनों पुलिस अधिकारी कहानी के मुख्य किरदार हैं, लेकिन न्याय को लेकर उनके विचार एक–दूसरे से अलग हैं। एक कथित मुठभेड़ के बाद दोनों के रास्ते टकराते हैं और यहीं से कहानी में नया मोड़ आता है। फिल्म में अपराध, पुलिस जांच, न्याय और कानून के बीच टकराव को दिखाया गया है। मेघना गुलजार अपनी फिल्मों में गंभीर और संवेदनशील विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने के लिए जानी जाती हैं। दायरा में भी उन्होंने अपराध और न्याय व्यवस्था से जुड़े एक गंभीर विषय को पर्दे पर उतारने की कोशिश की है। सिनेमाघरों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद अब फिल्म के निर्माता और कलाकारों को ओटीटी पर बेहतर प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है।

रामायण से रकुल प्रीत की अनदेखी झलकियां, बोलीं–शूर्पणखा बनने में रोज लगते थे 4 घंटे

साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। नितेश तिवारी के निर्देशन और रणबीर कपूर के राम अवतार से सजी ये फिल्म वाल्मीकि के महाकाव्य और रामचरितमानस पर आधारित है। फिल्म में शूर्पणखा का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अब इस यात्रा को लेकर एक बेहद भावुक नोट साझा किया है। उन्होंने इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर करते हुए फिल्म के निर्माताओं का दिल से आभार व्यक्त किया है। रकुल ने इंस्टाग्राम पर रामायण की शूटिंग के दौरान की अनदेखी तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में वो सेट पर अपना मेकअप कराती और शूटिंग के लिए तैयार होती दिख रही हैं। एक भावुक पोस्ट लिखते हुए रकुल ने लिखा, ये मेरे लिए बेहद खास सफर रहा है। सदियों से हमारी संस्कृति का हिस्सा रही इस महान कहानी को इतने बड़े पैमाने पर पर्दे पर जीवंत होते देखना और इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट से जुड़ना उनके लिए गर्व का पल है। रकुल ने पूरी कास्ट और क्रू का धन्यवाद करते हुए निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी की जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा कि इन दोनों महान फिल्मकारों ने एक बड़ा सपना देखा और उसे पर्दे पर सच कर दिखाया। भारत से इस महान कहानी को पूरी दुनिया के सामने इतने भव्य और असाधारण तरीके से पेश करने की उनकी मेहनत और इच्छाशक्ति ने पूरे सफर के दौरान सभी को गहराई से प्रेरित किया है।



सुबह के नाश्ते को पौष्टिक बनाने के लिए खाएं ये फल, फायदे हैं अनगिनत

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे जरूरी भोजन माना जाता है। यह हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है। नाश्ते में फाइबर युक्त फल शामिल करने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे फल के बारे में बताते हैं, जो नाश्ते में शामिल करने से शरीर को भरपूर ऊर्जा देने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं।

सेब

सेब में मौजूद फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और इसे नाश्ते में शामिल करने से पेट भरा हुआ महसूस होता है। सेब में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से लड़ने में मदद करते हैं। इसे आसानी से काटकर खाया जा सकता है या सलाद में शामिल किया जा सकता है। यह एक आसान और पौष्टिक विकल्प है, जो आपको पूरे दिन ऊर्जा देता है।

केले

केला पोटेशियम, विटामिन–क्व6 और फाइबर का अच्छा स्रोत है। यह पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और सुबह के नाश्ते में इसे शामिल करने से पेट भरा हुआ



महसूस होता है। केले को आप आसानी से अपने बैग में रख सकते हैं और इसे कहीं भी खा सकते हैं। यह एक आसान और पोषक तत्वों से भरपूर फल है, जो आपको पूरे दिन ऊर्जा देता है।

नाशपाती

नाशपाती एक रसीला और स्वादिष्ट फल है, जो फाइबर से भरपूर होता है। इसे खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और यह पाचन को भी बेहतर रखता है। नाशपाती में विटामिन–सी और ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से लड़ने में मदद करते हैं। इसे आसानी से काटकर खाया जा सकता है या सलाद में शामिल किया जा सकता है। यह एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प है।

पपीता

पपीता एक रसीला और पौष्टिक फल है, जिसमें पाचन को बेहतर बनाने वाले तत्व होते हैं। इसे खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और यह कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

पपीते में विटामिन–सी, विटामिन–ए और फाइबर होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं। इसे सुबह के नाश्ते में शामिल करने से शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है और यह एक स्वादिष्ट विकल्प भी है।

संतरा

संतरा विटामिन–सी का अच्छा स्रोत है, जो प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाता है और शरीर को जरूरी तत्व प्रदान करता है। इसे खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और यह पाचन को भी बेहतर रखता है। संतरे को आसानी से काटकर खाया जा सकता है या रस के रूप में भी लिया जा सकता है। यह एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

साल 2027 में तय किया जाएगा पैरालंपिक गेम्स के लिए खेल कार्यक्रम

बर्लिन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अप्रैल 2027 में 2032 खेलों के लिए खेल कार्यक्रम को अंतिम रूप देने जा रही है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के गवर्निंग बोर्ड ने ब्रिसबेन 2032 पैरालंपिक गेम्स के खेल कार्यक्रम को 2027 में तय करने का फैसला किया है। पहले यह उम्मीद थी कि इसे 2026 के अंत तक तय कर लिया जाएगा। पैरालंपिक गेम्स के खेल कार्यक्रम को तय करने की प्रक्रिया, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की खेल कार्यक्रम प्रक्रिया से अलग है। हालांकि, ओलंपिक खेल कार्यक्रम और उससे जुड़े केन्यू मास्टरप्लान का असर उन कारकों पर पड़ सकता है, जिन पर आईपीसी गवर्निंग बोर्ड पैरालंपिक खेल कार्यक्रम के बारे में फैसला लेते समय विचार कर सकता है — जैसे कि लागत, जटिलता और



आयोजन समिति पर पड़ने वाला प्रभाव, लेकिन आईपीसी गवर्निंग बोर्ड अपना फैसला 2027 के दौरान ही लेगा। यह फैसला अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की हालिया घोषणा के बाद आया है, जिसमें एक संशोधित समय–सीमा तय की गई है। आईओसी कार्यकारी बोर्ड ने अप्रैल 2027 में ब्रिसबेन 2032 ओलंपिक खेल कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए इस समय–सीमा को मंजूरी दी है। आईपीसी ने 2025 के अंत में ब्रिसबेन 2032 पैरालंपिक खेल कार्यक्रम की प्रक्रिया शुरू की थी, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय महासंघों और मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय महासंघों को आवेदन करने के लिए आमंत्रित किया गया था। ब्रिस्बेन 2032 पैरालंपिक खेल 24 अगस्त से 5 सितंबर, 2032 के बीच आयोजित किए जाएंगे। जर्मनी के बर्लिन में पैरालंपिक आंदोलन से जुड़े 250 से अधिक नेता इंटरनेशनल पैरालंपिक कमिटी (आईपीसी) मेंबरशिप गैदरिंग के लिए इकट्ठा हुए। तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम का मुख्य मुद्दा आपसी सहयोग, जानकारी साझा करने और पैरा खेलों के भविष्य को आकार देने पर था। कमिंग टुगेदररू अ कॉल टू एक्शन थीम पर आधारित यह कार्यक्रम 7 से 9 नवंबर तक आयोजित किया गया।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में नंदिनी शर्मा का चयन

अल अमीरात, एजेंसी। चंडीगढ़ चंडीगढ़ की तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा को दिसंबर में होने वाले भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम इस दौरे पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को गेकेबरहा में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद तीन वनडे मुकाबले पार्ल, केपटाउन और ब्लोमफोंटेन में खेले जाएंगे। दौरे का समापन बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम में होने वाली तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के साथ होगा। इस साल की शुरुआत में भी नंदिनी शर्मा ने इतिहास रचा था। वह यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) की पहली खिलाड़ी बनी थीं।

आर्यवीर ने दिखाए पिता वीरेंद्र सहवाग वाले तेवर, यूएई के खिलाफ 24 बाउंड्री के साथ जड़े 160 रन

अल अमीरात, एजेंसी। आर्यवीर सहवाग ने अंडर–19 एशिया कप 2026 में मंगलवार को यूएई के खिलाफ विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने पिता वीरेंद्र सहवाग के अंदाज ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 168 गेंदों में 7 छक्कों और 17 चौकों के साथ 160 रन कूटे। अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड (मिनिस्ट्री टर्फ 2) में जारी इस मुकाबले में भारत ने टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी चुनी। कप्तान लक्ष्य रायचंदानी के साथ आर्यवीर बतौर सलामी बल्लेबाज मैदान पर उतरे। इस जोड़ी के बीच 83 गेंदों में 62 रन की साझेदारी हुई। लक्ष्य रायचंदानी 32 गेंदों में 2 चौकों के साथ 17 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद आर्यवीर ने वीके विनीत के साथ दूसरे विकेट के लिए 183 गेंदों में 193 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 255 के स्कोर तक पहुंचा दिया। टीम को आर्यवीर सहवाग के रूप में



दूसरा झटका लगा, जिन्होंने 168 गेंदों में 7 छक्कों और 17 चौकों के साथ 160 रन की पारी खेली, जबकि वीके विनीत ने 69 गेंदों में 67 रन बनाए। उनकी इस पारी में 3 छक्के और इतने ही चौके शामिल रहे। यूएई की तरफ से नसीम खान ने 10 ओवरों में 48 रन देकर 4 विकेट हासिल किए, जबकि हिदायतुल्लाह खान, नूरुल्लाह अयोबी और कप्तान अयान मिस्बाह ने 1–1 विकेट हासिल किया। इससे पहले, टूर्नामेंट में आर्यवीर सहवाग ने नेपाल के विरुद्ध 52 गेंदों में 4 छक्कों और 7 चौकों के साथ 70 रन की नाबाद पारी खेलते हुए भारत को 10 विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उस मुकाबले में कप्तान लक्ष्य (नाबाद 53) ने उनका बखूबी साथ दिया।

हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए घर-घर जाएंगे भाजपा कार्यकर्ता : सर्वप्रिय त्यागी

गुरुग्राम। हरियाणा में चल रही मतदाता सूचियों की विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्) प्रक्रिया को लेकर भाजपा ने कमर कस ली है। भाजपा के गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने सभी पात्र नागरिकों से अपना नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करने की अपील की है।

जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता के मार्गदर्शन में पार्टी के सभी पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रमुख, बीएलए–1, बीएलए–2 और बूथ स्तर के कार्यकर्ता घर–घर संपर्क कर पात्र मतदाताओं को जागरूक करेंगे। भारत निर्वाचन आयोग के 6 नवंबर 2026 के निर्देशों के तहत, जो पात्र नागरिक



अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहरे पंजीकरण श्रेणी में चिह्नित होने के कारण प्रारूप सूची से बाहर रह गए थे, उन्हें अपना गणना प्रपत्र दोबारा जमा करने का अवसर मिला है।

जिला मीडिया प्रभारी अजय दुआ ने बताया कि दावों और आपत्तियों के निस्तारण की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2026 है, जबकि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 30 नवंबर को होगा। नागरिक बमवींतलवं.हवअ.पद, अवजमतें.मबप.हवअ.पद या ब्मछम्ज ऐप पर अपना नाम जांच सकते हैं। नए मतदाता फॉर्म–6 भरकर आवेदन कर सकते हैं। किसी भी सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950 या 1800–11–1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

एआई शेयरों में गिरावट के बीच जेफरीज का भारत पर भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्लोबल निवेश फर्म जेफरीज ने एआई शेयरों में गिरावट के बीच अपने एशिया–पैसिफिक (एक्सरू जापान) रिलेटिव–रिटर्न पोर्टफोलियो में भारत के लिए आवंटन बढ़ा दिया है। साथ ही, दक्षिण कोरिया और ताइवान के लिए आवंटन में कटौती की है। जेफरीज के इक्विटी स्ट्रैटेजी के ग्लोबल हेड क्रिस्टोफर वुड की रिपोर्ट में भारत के लिए प्रस्तावित आवंटन को 2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 14 प्रतिशत कर दिया गया है। फिलहाल एमएससीआई बेंचमार्क में भारत का वेटेज 12 प्रतिशत है। दूसरी तरफ, जेफरीज ने दक्षिण कोरिया और ताइवान के लिए अपने अनुमान में 1–1 प्रतिशत अंक की कटौती की है, जिससे ये क्रमशरू 18 प्रतिशत और 24 प्रतिशत पर आ गए हैं।

संजू सैमसन: टी20 विश्व कप 2026 में खत्म हुई पिछले 11 साल की तलाश

नई दिल्ली, एजेंसी। संजू सैमसन भारतीय क्रिकेट के मौजूदा दौर के सर्वाधिक लोकप्रिय नाम हैं। सैमसन ने अपनी दमदार बल्लेबाजी से न सिर्फ भारत में बल्कि पूरी दुनिया में अपना बड़ा फैन बेस बनाया है जिसकी हालिया झलक हमें न्यूजीलैंड दौर पर टी20 सीरीज के दौरान मिली। बुधवार को 32 साल के हो रहे विकेटकीपर बल्लेबाज सैमसन का करियर बेहद उतार–चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने मौजूदा सफलता और लोकप्रिया के लिए संघर्ष का एक लंबा दौर देखा है। सैमसन का जन्म 11 नवंबर, 1994 को, पुल्लुविला, विझिंजम, त्रिवेंद्रम (अब तिरुवनंतपुरम) में हुआ था। उनके जीवन के शुरुआती कुछ वर्ष दिल्ली में बीते। दिल्ली में ही उन्होंने क्रिकेट को समझा और सीखा। सैमसन बचपन से ही बेहद



प्रतिभाशाली थे। उनकी टाइमिंग और शॉट्स ने उनके पिता को बेहद प्रभावित किया और उन्हें अपने बेटे में एक बड़ा क्रिकेटर दिखा। सैमसन के पिता ने दिल्ली छोड़कर केरल का रुख किया। विकेटकीपर और दाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज सैमसन ने केरल में स्थानीय स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया। 2011 में अक्टूबर में उन्होंने केरल की तरफ से टी20 में और इसी साल नवंबर में प्रथम श्रेणी में डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन की वजह से उन्हें आईपीएल 2013 में राजस्थान रॉयल्स ने साइन किया। उस सीजन उन्होंने 11 मैचों में 206 रन बनाए। 2015 तक वह राजस्थान का हिस्सा रहे और हर साल अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। सैमसन के शॉट्स और टाइमिंग और छक्के लगाने की क्षमता देख उन्हें भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा सितारा माना गया। सैमसन को आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन का इनाम बीसीसीआई ने 2015 में दिया, जब उन्हें भारतीय टीम में जिम्बाब्वे दौरे के लिए शामिल किया गया। सैमसन ने 19 जुलाई 2015 को जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था।

हरियाणा कांग्रेस ने शुरू किया वोट बचाओ, देश बचाओ चौपाल अभियान

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा कांग्रेस ने गुरुवार को बड़खल विधानसभा क्षेत्र के अनंगपुर गांव से अपने देशव्यापी स्थोट बचाओ, देश बचाओश चौपाल अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में अभियान प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान वोट चोरी और मतदाता सूचियों की अनियमितताओं पर चर्चा की गई। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि यह अभियान संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का जनसंघर्ष है। उन्होंने भाजपा के श्लोकतंत्र बचाओ अभियान पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून–व्यवस्था और सुशासन बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि इस अभियान को पूरे प्रदेश में ले जाकर जन आंदोलन बनाया जाएगा। कृष्णा तीरथ ने मतदान के अधिकार की रक्षा को सबकी सामूहिक जिम्मेदारी बताया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष बलजीत कौशिक, पूर्व प्रत्याशी विजय प्रताप, रोहित नागर, अब्दुल गफार कुरैशी और राकेश छपराना सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

क्वांटास एयरवेज 850 लोगों की करेगा छंटनी, भारत शिफ्ट होंगी नौकरियां

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई एयरलाइन क्वांटास एयरवेज ने कंसल्टिंग फर्म एक्सेंचर के साथ एक नई टेक्नोलॉजी साझेदारी के तहत लगभग 850 नौकरियों में कटौती करने और कई बैक–ऑफिस कार्यों को आउटसोर्स करने की योजना बनाई है। इनमें से ज्यादातर नौकरियों को भारत में स्थानांतरित किए जाने की उम्मीद है। यह जानकारी रिपोर्ट्स में दी गई। 2027 के मध्य से शुरू होने वाला यह पुनर्गठन फाइनेंस, प्रोक्योरमेंट, ह्यूमन रिसोर्सेस और मार्केटिंग विभागों के कर्मचारियों को प्रभावित करेगा। इसके तहत एयरलाइन अपने पुराने सिस्टम को आधुनिक बनाना चाहती है और अपने कामकाज में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल बढ़ाना चाहती है। यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब एयरस्पेस निर्माता और एयरलाइंस अपनी कार्यक्षमता को बेहतर बनाने के लिए अपने कामकाज के तरीकों में बदलाव कर रहे हैं। बोइंग ने सोमवार को कहा कि वह अपने कमर्शियल विमान उत्पादन को बढ़ाने की योजना को धीमा कर रहा है। इसके चलते, कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 5 प्रतिशत की कटौती करेगी ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुआ पटना नगर निगम का पहला म्युनिसिपल बॉन्ड, जुटाए 200 करोड़

पटना, एजेंसी। बिहार के शहरी विकास और स्थानीय निकायों के वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक छलांग लगाते हुए पटना नगर निगम (क्वकरूष्ट) का पहला म्युनिसिपल बॉन्ड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्रस्श्व) पर सफलतापूर्वक लिस्ट हो गया है। बिहार के किसी भी शहरी स्थानीय निकाय (रुक्च) द्वारा पूंजी बाजार में उतारा गया यह पहला बॉन्ड है। 10 नवंबर को पटना में आयोजित औपचारिक समारोह में राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की गरिमामयी उपस्थिति में बॉन्ड की लिस्टिंग संपन्न हुई। बाजार में इस बॉन्ड को लेकर संस्थागत निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। ?100.03 करोड़ के बेस इश्यू और ?99.96 करोड़ के ग्रीन–शू विकल्प वाले इस प्राइवेट प्लेसमेंट को बेस इश्यू साइज से 2 गुना से अधिक का



सब्सक्रिप्शन मिला। इस सफल निर्गम के जरिए नगर निगम ने करीब ?200 करोड़ (?199.99 करोड़) की राशि जुटाई है। जुटाए गए इस कोष का उपयोग पटना के विभिन्न बाजार क्षेत्रों के कायाकल्प, जनसुविधाओं के आधुनिकीकरण और आर्थिक दक्षता बढ़ाने के लिए तैयार की गई 15 महत्वाकांक्षी पुनर्विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण में किया जाएगा। लिस्टिंग समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार बिहार को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने, समृद्धि के नए मार्ग तलाशने और प्रदेश को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों से सीधे जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने पटना नगर निगम की इस ऐतिहासिक पहल की सराहना करते हुए कहा कि म्युनिसिपल बॉन्ड के जरिए तुरंत लगभग ?200 करोड़ का फंड जुटाना बिहार की सुधरती वित्तीय साख का प्रमाण है। उन्होंने निर्देश दिया कि इस राशि को ऐसे प्रोजेक्ट्स में निवेश किया जाए जो निगम के लिए नियमित राजस्व अर्जित कर सकें। साथ ही उन्होंने बिहार के अन्य नगर निगमों और सरकारी विभागों से भी अपनी संपत्तियों व संसाधनों का रणनीतिक उपयोग करते हुए बॉन्ड व पीपीपी (क्वक्कक्क) मॉडल के जरिए विकास कोष जुटाने का आह्वान किया, ताकि ऋण चुकाने के बाद भी दीर्घकालिक आय सृजित होती रहे। एनएसई के एमडी एवं सीईओ आशीष्कुमार चौहान ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि पर मुख्यमंत्री और बिहार प्रशासनिक टीम को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम की नींव पिछले वर्ष तब रखी गई थी जब बिहार सरकार के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मुंबई में एनएसई के आउटरीच कार्यक्रम में हिस्सा लेकर पूंजी बाजार के इकोसिस्टम को समझा था। उन्होंने मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार और पटना नगर आयुक्त यशपाल मीणा के प्रशासनिक नेतृत्व की भी सराहना की।

बाटा इंडिया नए उत्पादों के दम पर वृद्धि को देगी गति

नयी दिल्ली, एजेंसी। जूते–चप्पल बनाने वाली प्रमुख कंपनी बाटा इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजय राव ने कहा कि कंपनी स्टोर में जल्द से जल्द नए वैश्विक उत्पाद पेश करेगी। कंपनी का ध्यान स्नीकर्स और युवाओं की पसंद के अनुरूप उत्पादों की श्रृंखला पर रहेगा। कंपनी 2030 तक भारत में अपना कारोबार दोगुना करने की दिशा में काम कर रही है। पदभार संभालने के बाद पहली बार कंपनी के वित्तीय नतीजों पर आयोजित चर्चा में राव ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य कारोबार दोगुना करना है। रीइग्नाइट इंडिया 2030 रणनीति के तहत अगले चार वर्षों में इसके लिए वार्षिक वृद्धि दर एकल अंक से दोहरे अंक के स्तर पर रखनी होगी। राव ने कहा, भारत में हमारा लक्ष्य 2030 तक कारोबार दोगुना करना है।

एनवीडिया का बोर्ड निदेशकों के जरिए जेनसेन हुआंग को बिना किसी आपराधिक निष्कर्ष के भी पद से कर सकता है बर्खास्त : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। एनवीडिया के बोर्ड के पास निदेशकों के बहुमत वोट के जरिए कंपनी के संस्थापक और सीईओ जेनसेन हुआंग को किसी आपराधिक निष्कर्ष के बिना पद से हटाने की शक्ति है। हालांकि, इसके लिए शेयरधारकों की अनुमति की आवश्यकता भी होगी। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। एनडीटीवी प्रॉफिट की एक रिपोर्ट के अनुसार, 12 मार्च 2024 को अपडेट किए गए एनवीडिया के नियमों में यह प्रावधान है कि निदेशकों के बहुमत में वोट से कंपनी के किसी भी अधिकारी को, किसी कारण के साथ या बिना किसी कारण के हटाया जा सकता है। एनवीडिया के नियमों के तहत, शेयरधारकों के बहुमत के वोट से किसी निदेशक को कारण बताकर हटाया जा सकता है। वहीं, बिना कोई कारण बताए किसी निदेशक को हटाने के लिए, कंपनी की कुल वोटिंग पावर के

कम से कम 66.67 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करने वाले शेयरधारकों के वोट की आवश्यकता होती है। हालांकि, एनवीडिया ने 8 नवंबर को उन रिपोर्ट्स की स्वतंत्र जांच शुरू की है, जिनमें कहा गया है कि हुआंग को एक विदेशी खुफिया अभियान के जासूस ने कथित तौर पर निजी संबंधों के जरिए निशाना बनाया था। यह जांच एलिस हुआंग से जुड़े आरोपों के बाद शुरू की गई है। एलिस हुआंग सिंगापुर स्थित मेगापीड्स में एक एग्जीक्यूटिव हैं। मंगलुरु स्थित एनवीडिया की एक प्रमुख ग्राहक कंपनी है, जिसने कथित तौर पर दो वर्षों में एनवीडिया से 4.8 अरब डॉलर से अधिक के चिप्स खरीदे हैं। इससे पहले कई अमेरिकी कंपनियों ने ऐसे निजी संबंधों के कारण अपने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को हटा दिया है। मैकडॉनल्ड्स ने 2019 में अपने सीईओ स्टीव ईस्टरब्रूक को इसलिए निकाल दिया, क्योंकि एक कर्मचारी के साथ उनकी आपसी सहमति से बने संबंध कंपनी के व्यावसायिक आचरण मानकों का उल्लंघन था। इंटेल के सीईओ ब्रायन क्रजानिच ने 2018 में इसीफा दे दिया था। इसकी वजह उनके एक कर्मचारी के साथ पुराने आपसी संबंधों ने कंपनी की नॉन–फ्रैटर्नाइजेशन (कर्मचारियों के बीच निजी संबंधों पर रोक लगाने वाली) नीति का उल्लंघन किया था। अमेरिकी नीति–निर्माताओं का दावा है कि संबंधित महिला को चीन के राज्य सुरक्षा मंत्रालय ने एनवीडिया के सीईओ की जासूसी करने के लिए काम पर रखा था। हुआंग ने एनवीडिया के कर्मचारियों को एक ईमेल भेजा, जिसमें उन्होंने अपने परिवार और ष्ठाप सभीष् से माफी मांगी।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 14 प्रतिशत घटकर 32,994 करोड़ रुपए पर

मुंबई, एजेंसी। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अक्टूबर में करीब 14 प्रतिशत घटकर 32,994 करोड़ रुपए रह गया, जबकि सितंबर में यह 38,306 करोड़ रुपए था। उद्योग संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। इक्विटी श्रेणी में यह लगातार 60वां महीना है, जब शुद्ध निवेश आया है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया ने कहा कि 31 अक्टूबर तक इक्विटी योजनाओं के तहत कुल प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां 37.14 लाख करोड़ रुपए थीं। बाजार में आई गिरावट निवेश में कमी की मुख्य वजह रही। बाजार में उतार–चढ़ाव के बावजूद सितंबर में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश अगस्त की तुलना में 31 प्रतिशत से अधिक बढ़ा था।

अक्टूबर में लार्जकैप शेयरों ने छोटे–मझोले स्टॉक्स से बेहतर प्रदर्शन किया, आईटी सेक्टर रहा सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रमुख इंडेक्स में अक्टूबर में निफ्टी एकमात्र ऐसा सूचकांक रहा, जिसने सकारात्मक रिटर्न दिया। इसमें 1.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई, जबकि व्यापक बाजार के अन्य सेगमेंट विशेषकर माइक्रोकैप और स्मॉलकैप गिरावट के साथ बंद हुए। यह जानकारी सोमवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर के दौरान निफ्टी नेक्स्ट 50 में 2.92 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी मिडकैप 150 में 3.75 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी स्मॉलकैप 250 में 5.81 प्रतिशत और निफ्टी माइक्रोकैप 250 में 8.95 प्रतिशत की गिरावट आई। इस तरह माइक्रोकैप और स्मॉलकैप शेयरों में मिडकैप की तुलना में ज्यादा गिरावट देखने को मिली। 31 अक्टूबर 2026 को समाप्त एक महीने की अवधि के दौरान व्यापक बाजार का प्रतिनिधित्व करने वाला निफ्टी 500 भी 0.80 प्रतिशत गिर गया। सेक्टरों में आईटी सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र रहा। अक्टूबर के दौरान इसमें 17.69 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। हेल्थकेयर सेक्टर में भी 1.93 प्रतिशत और बैंकिंग सेक्टर में 0.10 प्रतिशत की तेजी रही।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.रू UPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादकः विजय दुबे
कार्यकारी संपादकः दीप्ती दुबे
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी



मां के छोटे-छोटे प्रयास से बच्चे के भविष्य की बनती है मजबूत नींव : सुपरवाइजर मीना

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के गांव बनियानी गांव में हुआ सर्वोत्तम माता पुरस्कार कार्यक्रम

लोकेश कुमार

गुरुग्राम । हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के गांव बनियानी (सर्कल भाली) में सर्वोत्तम माता पुरस्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम सुपरवाइजर मीना के नेतृत्व में किया गया, जिसमें गांव की अनेक महिलाओं ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कारों के प्रति जागरुक किया गया।

कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंच पर सर्वोत्तम माता के रूप में चयनित महिलाओं को सम्मानित किया



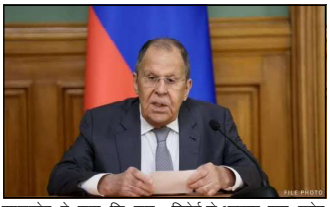
गया। इस दौरान बच्चों के सर्वांगीण विकास में मां की भूमिका पर विशेष चर्चा हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुपरवाइजर मीना ने कहा कि बच्चे का पहला विद्यालय उसकी मां की गोद ही होती है। मां जैसा संस्कार देती है, बच्चा वैसा ही बनता है। आज की मां ही कल के समाज की निर्माता है। इसलिए मां का स्वस्थ रहना, जागरूक रहना और शिक्षित होना बहुत जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा कि सर्वोत्तम माता पुरस्कार का उद्देश्य केवल सम्मान देना नहीं है, बल्कि हर मां को यह एहसास दिलाना है कि उसके द्वारा किए गए छोटे–छोटे प्रयास ही बच्चे के भविष्य की सबसे बड़ी नींव हैं। अगर मां बच्चे को समय पर पौष्टिक आहार देती है, उसे साफ–सफाई की आदत डालती है, उसे स्कूल भेजती है और उससे प्यार से बात करती है, तो वही बच्चा आगे चलकर गांव और देश का नाम रोशन करता है। सुपरवाइजर मीना ने महिलाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों के खान–पान पर विशेष ध्यान दें। गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के टीकाकरण को बिल्कुल भी न टालें। आंगनबाड़ी केंद्रों पर मिलने वाली सेवाओं का पूरा लाभ उठाएं। मोबाइल के बजाय बच्चों को किताबों और अच्छे संस्कारों से जोड़ें। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ हर पात्र महिला और बच्चे तक पहुंचे, इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर–घर जाकर जागरुक कर रही हैं। उन्होंने महिलाओं को बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, पोषण अभियान और स्वच्छता के प्रति भी जागरुक किया। कार्यक्रम के अंत में सर्वोत्तम माता के रूप में चयनित महिलाओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। महिलाओं ने भी कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें नई जानकारी मिलती है और प्रोत्साहन मिलता है।

रूस का यूरोपीय देशों पर हमला करने का कोई इरादा या योजना नहीं

मॉस्को, एजेंसी। रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने कहा कि रूस का यूरोपीय देशों पर हमला करने का कोई इरादा, योजना या कारण नहीं है। ऑर्गेनाइजेशन फॉर सिक्योरिटी एंड कोऑपरेशन इन यूरोप (ओएससीई) के तत्वावधान में आयोजित यूरोप का सैन्यीकरण आगे क्या? विषयक एक गोलमेज चर्चा में रयाबकोव ने कहा कि पश्चिमी देश यूरोप में सैन्य संघर्ष की संभावना पर इस तरह चर्चा कर रहे हैं, मानो यह पहले से तय और अपरिहार्य हो।

रूसी विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि रूस से किसी को कोई खतरा नहीं है और निकट, मध्यम या दीर्घकाल में किसी भी देश पर हमला करने की उसकी कोई योजना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि रूस पर कोई आक्रामकता होती है, तो मॉस्को जवाब देने के लिए मजबूर होगा।



रयाबकोव ने कहा कि कुछ यूरोपीय सरकारों का रूस–यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने का कोई वास्तविक इरादा नहीं है। सभी पक्षों के जायज हितों को ध्यान में रखते हुए इस संघर्ष को सुलझाया जा सकता था, लेकिन पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को उचित समाधानों को त्यागने और युद्ध का रास्ता चुनने के लिए प्रेरित किया। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रूस–यूरोप संबंधों के भविष्य पर उन्होंने कहा कि मॉस्को का मानना छहै कि यूरोपीय देश देर–सवेर समानता, अविभाज्य सुरक्षा, व्यावहारिकता और एक–दूसरे के हितों का ध्यान रखते हुए रूस के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हो जाएंगे।

इलेवन पावर का लाइसेंस रद्द कराने के लिए DHBVN ने दायर की समीक्षा याचिका

- गुरुग्राम और नूंह में निजी कंपनी को बिजली वितरण का जिम्मा देने का मामला
- विद्युत नियामक आयोग ने याचिका की स्वीकार, दिसंबर में सुनवाई संभव

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। गुरुग्राम और नूंह में निजी कंपनी इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड को बिजली वितरण का लाइसेंस देने के फैसले के खिलाफ दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (क्ष्टटच्छ) ने हरियाणा विद्युत नियामक आयोग (भ्भ्ब्) में समीक्षा याचिका दायर की है। निगम ने बिजली अधिनियम–2003 की धारा 94(1)(एफ) के तहत 19 अक्टूबर के मूल फैसले पर पुनर्विचार करते हुए लाइसेंस पूरी तरह रद्द करने की मांग की है। आयोग ने याचिका स्वीकार कर ली है, जिस पर दिसंबर में सुनवाई हो सकती है।

लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया के दौरान भी दक्षिण और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगमों ने कंपनी की आर्थिक स्थिति, पूंजी की उपलब्धता और तकनीकी क्षमता पर सवाल उठाए थे। 19 अक्टूबर को लाइसेंस मिलने के बाद कंपनी ने 21 अक्टूबर को शर्तें स्वीकार कर ली थीं, लेकिन प्रदेश भर के बिजली कर्मचारियों और अधिकारियों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

बढ़ते विरोध को देखते हुए राज्य सरकार ने 26 अक्टूबर को बिजली अधिनियम की धारा 108(1) के तहत आयोग को निर्देश जारी कर प्रदेश में समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस लागू करने पर रोक लगा दी थी। इसके बाद आयोग ने भी जनहित में सरकार के निर्देशों के पालन की बात कहते हुए आगे की कार्रवाई रोक दी थी। वहीं, 28 अक्टूबर को आयोग ने कंपनी की उस मांग को भी खारिज कर दिया था, जिसमें उसने किसी भी आपत्ति पर सुनवाई से पहले अपना पक्ष रखने का मौका मांगा था। अब समीक्षा याचिका के बाद आयोग को अपने फैसले पर दोबारा विचार करना होगा।

रफेल ने लंबी रेंज वाली नई क्रूज मिसाइल की पेश : इजरायल

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल की डिफेंस कंपनी रफेल (रफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स) ने बुधवार सुबह एक नई लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल सुपर आइस का अनावरण किया। अपने पिछले वर्जन की तुलना में कहीं अधिक शक्तिशाली वारहेड ले जाने और लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम है। कंपनी के अनुसार, सुपर आइस मिसाइल 1,000 पाउंड (करीब 454 किलोग्राम) का वारहेड ले जा सकती है। यह वारहेड मार्क–83 बम के अनुरूप है। मिसाइल को लड़ाकू विमानों, नौसैनिक पोतों और जमीन आधारित लॉन्चरों सहित अलग–अलग प्लेटफॉर्म से दागा जा सकता है।

चन्नी की अलग साइकिल यात्रा से पंजाब कांग्रेस में फिर उभरी गुटबाजी

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस में अंदरूनी खींचतान एक बार फिर सतह पर आ गई है। अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग की जगह परगट सिंह को प्रदेश अध्यक्ष और सचिन पायलट को प्रभारी बनाए जाने के बावजूद पार्टी में एकजुटता नजर नहीं आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की अलग साइकिल यात्रा की घोषणा ने संगठन की चुनावी रणनीति को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।एक ओर नए प्रदेश अध्यक्ष परगट सिंह ने किसानों, मजदूरों, व्यापारियों, युवाओं और महिलाओं तक पहुंचने के लिए 'पंजाब मांगे इंसाफ' अभियान शुरू किया है, वहीं दूसरी ओर चन्नी 'जवानी संभाल, जट्टा' के नाम से साइकिल रैली निकालने जा रहे हैं। पार्टी के भीतर इसे चन्नी द्वारा मुख्यमंत्री पद की दावेदारी मजबूत करने और व्यक्तिगत नेतृत्व को उभारने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

हालांकि, प्रदेश अध्यक्ष परगट सिंह ने किसी भी तरह के मतभेद से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि मालवा, माझा और दोआबा में पार्टी का अभियान जारी है और चन्नी समेत 5 से 6 वरिष्ठ नेता अलग–अलग क्षेत्रों में पार्टी का संदेश ही घर–घर पहुंचाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि सर्वे के बाद उम्मीदवारों की पहली सूची जल्द जारी की जाएगी।

उधर, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कांग्रेस की इस स्थिति पर तंज कसा है। अमलोह में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मान ने कहा कि चन्नी की साइकिल की तो चेन ही उतर गई है। विपक्षी नेता आपस में ही उलझे हुए हैं और केवल सरकार की जनहितैषी नीतियों पर निशाना साधने में लगे हैं।

